हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 251 बेमेतरा, बुधवार 06 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

सेना प्रमुख और रक्षा सचिव की सैलरी से कटेंगे 2 लाख रुपए

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने एक रिटायर्ड मेजर की डिसेबिलिटी (दिव्यांगता) पेंशन से जुड़े अवमानना मामले में बेहद सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने आदेशों की अनदेखी करने पर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह पर 2 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि हाई कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जुर्माने की यह रकम इन दोनों शीर्ष अधिकारियों के वेतन (सैलरी) से काटकर सीधे याचिकाकर्ता को दी जाए। यह पूरा मामला पुणे के रहने वाले रिटायर्ड मेजर राजदीप दिनकर पांडेर के हक और सम्मान की लड़ाई से जुड़ा है, जिन्हें देश सेवा के दौरान 24 बार सर्जरी की असहनीय पीड़ा से गुजरना पड़ा था।मेजर राजदीप दिनकर पांडेर साल 2012 में पूरी तरह से फिट अवस्था में भारतीय सेना में कमीशन हुए थे। सेना ने उन्हें लद्दाख के अत्यधिक ऊंचाई वाले और चुनौतीपूर्ण इलाके में तैनाती दी थी। लेकिन, देश सेवा के पांच साल बाद ही वह गंभीर रूप से बीमार पड़ गए।

चेन्नई एयरपोर्ट पर चलती फ्लाइट का इमरजेंसी गेट खोलकर बाहर कूदा यात्री

चेन्नई। शारजाह से चेन्नई आ रही एयर अरेबिया की फ्लाइट में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक यात्री ने चलती फ्लाइट का इमरजेंसी एग्जिट गेट खोल दिया और सीधे बाहर कूद गया। इस खौफनाक मंजर को देखकर विमान में सवार अन्य यात्रियों के होश उड़ गए और पूरे एयरपोर्ट पर दहशत का माहौल बन गया। गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी की जान को नुकसान नहीं पहुंचा, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों की सांसें जरूर फूल गईं। चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अधिकारियों के मुताबिक, यह चौंकाने वाली घटना लैंडिंग के ठीक बाद हुई। विमान मुख्य रनवे से सुरक्षित उतर चुका था और पूरी तरह रुकने से पहले टैक्सीवे पर धीमी गति से आगे बढ़ रहा था। तभी अचानक एक पुरुष यात्री ने खौफनाक कदम उठाते हुए इमरजेंसी गेट खोला और बाहर छलांग लगा दी।

ईडी ने इस साल की रिकार्ड छापेमारी, 81 हजार करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में अपनी कार्रवाई से एक नया और ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम किया है। धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के मामलों में भले ही केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा की गई गिरफ्तारियों में लगभग 27 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, लेकिन कुर्क की गई संपत्तियों का आंकड़ा आसमान छू गया है। ईडी ने इस अवधि में 81,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्तियां कुर्क कर अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। इसके साथ ही, धोखाधड़ी के शिकार हुए आम लोगों को भी एजेंसी ने हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति वापस दिलाकर बड़ी राहत दी है। धन शोधन निवारण अधिनियम के कड़े प्रावधानों के तहत ईडी ने देश भर में भ्रष्टाचारियों पर अपनी नकेल और कस दी है।

बंगाल में अब ममता बनर्जी ने छेड़ी नई रार, ऐसा देश में पहली बार

ममता बैनर्जी बोले-न जाऊंगी लोकभवन,न ही दूंगी इस्तीफा

नई दिल्ली/ एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव हारने के बाद नई रार छेड़ दी है। उन्होंने दो टूक लहजे में कहा है कि वह लोकभवन नहीं जाएंगी और न ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगी। उन्होंने कहा कि चुनावों में उनकी नैतिक तौर पर जीत हुई है। उनके इस बयान के बाद बंगाल से लेकर दिल्ली तक सियासी गलियारों में नई चर्चा छिड़ गई है कि वह लोकभवन जाकर इस्तीफा नहीं देंगी या फिर मुख्यमंत्री पद से ही इस्तीफा नहीं देगीं। उन्होंने अपने बयान से भी यह संदेह पैदा किया है। जब उनसे पूछा गया कि इस्तीफा कब दे रही हैं तो उन्होंने तपाक से कहा, मैं लोकभवन जाकर इस्तीफा नहीं दूंगी। कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, मैं हारी नहीं हूं, मैं राजभवन नहीं जाऊंगी... इसका सवाल ही नहीं उठता। नहीं। अब, मैं यह भी कहना चाहती हूं कि हम चुनाव नहीं हारे हैं। यह हमें हराने की उनकी कोशिश है। आधिकारिक तौर पर, चुनाव आयोग के जरिए, वे हमें हरा सकते हैं, लेकिन नैतिक तौर पर हम चुनाव जीत गए हैं। ममता ने दावा किया कि यह चुनाव परिणाम जनता का वास्तविक जनादेश नहीं, बल्कि एक साजिश का नतीजा है। ममता बनर्जी ने आगे कहा कि इस लड़ाई में उनके साथ इंडिया अलायंस के भी साथी हैं। उन्होंने कहा, सोनिया जी, राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन ने मुझे फोन किया। इंडिया

गठबंधन के सभी सहयोगियों ने मुझसे कहा कि वे पूरी तरह से और बिल्कुल मेरे साथ हैं। मुझे लगता है कि आने वाले दिनों में हमारी एकजुटता और मज़बूत होगी। ममता बनर्जी ने आगे कहा, अखिलेश यादव ने मुझसे पूछा कि क्या वह आज ही आ सकते हैं, लेकिन मैंने उनसे कल आने को कहा है। तो, वह कल आएंगे। एक-एक करके सब आएंगे। तृणमूल नेता ने कहा, मेरा लक्ष्य बहुत साफ है। मैं इंडिया टीम को मज़बूत करूंगी, ठीक एक आम इंसान की तरह। अब मेरे पास कोई कुर्सी नहीं है, इसलिए मैं एक आम नागरिक हूं। तो, आप मुझसे यह नहीं कह सकते कि मैं आपकी कुर्सी का इस्तेमाल कर रही हूं। अब मैं एक आजाद पंछी हूं। मैंने अपनी पूरी जिंदगी लोगों की सेवा में लगा दी, इन 15 सालों में भी मैंने पेंशन का एक पैसा भी नहीं निकाला है। मैं सैलरी का भी एक पैसा नहीं ले रही हूं। लेकिन अब, मैं एक आजाद पंछी हूं। इसलिए, मुझे कुछ काम करना है, और मैं उसे कर लूंगी। बता दें कि देश के इतिहास में यह पहला मौका है, जब कोई मुख्यमंत्री विधानसभा चुनावों में हार के बाद अपने पद से इस्तीफा देने से ही इनकार कर रहा है। चुनाव नतीजों के बाद कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनकी पार्टी चुनाव हारी नहीं है बल्कि हराई गई है। उन्होंने कहा, हम हारे नहीं बल्कि हमें हराया गया है। उन्होंने ये भी कहा कि ये लड़ाई भाजपा से नहीं थी बल्कि चुनाव आयोग से थी।

देश के इतिहास में यह पहला मौका

बता दें कि देश के इतिहास में यह पहला मौका है, जब कोई मुख्यमंत्री विधानसभा चुनावों में हार के बाद अपने पद से इस्तीफा देने से ही इनकार कर रहा है। चुनाव नतीजों के बाद कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ये लड़ाई भाजपा से नहीं थी बल्कि चुनाव आयोग से थी। ममता ने ये भी आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में चुनाव के इस खेल में चुनाव आयोग ही सबसे बड़ा विलेन है, जिसने एकतरफा काम किया। उन्होंने कहा कि ये बांग्ला का काला इतिहास है। इसके साथ ही टीएमसी चीफने कहा कि हमारी लड़ाई जारी रहेगी लेकिन उन्होंने अभी अपनी रणनीति का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा कि टीएमसी दफ्तर को घेरने और उस पर कब्जा करने की कोशिश की गई है।

शपथ ग्रहण में शामिल होंगे पीएम

सात मई को सम्राट चौधरी का कैबिनेट विस्तार होगा

नईदिल्ली। बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी 7 मई को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करने जा रहे है। पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसको लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित एनडीए के कई प्रमुख नेता भी शामिल होंगे। बता दें कि बिहार में पहली बार भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनी है। सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बनी इस सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर पहले से ही चर्चा चल रही थी कि कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद यहां

कैबिनेट विस्तार किया जाएगा। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में बताया कि शपथ ग्रहण समारोह ऐतिहासिक गांधी मैदान में होगा, जहां राज्यपाल मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण मुंबई स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में, असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों 2026 की मतगणना के दौरान पार्टी की बढ़त का जश्न मनाते हुए झालमुड़ी का आनंद ले रहे हैं।

जलगांव में शरद पवार को बड़ा झटका!

भुसावल नगराध्यक्ष गायत्री भंगाले की कुर्सी छिनी.....

नई दिल्ली। महाराष्ट्र जलगांव जिले के भुसावल से बड़ी राजनीतिक खबर सामने आई है। भुसावल नगरपरिषद की नगराध्यक्ष गायत्री भंगाले को बड़ा झटका लगा है। राज्य सरकार ने उनको नगरसेवक और नगराध्यक्ष पद से बर्खास्त कर दिया है। यह कार्रवाई उनके जाति प्रमाणपत्र को अवैध ठहराए जाने के बाद की गई है। इसके साथ ही भुसावल नगराध्यक्ष पद अब आधिकारिक रूप से रिक्त घोषित कर दिया गया है। गायत्री भंगाले ने हाल ही में हुए नगरपरिषद चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के टिकट पर चुनाव लड़ते हुए राज्य

के वस्त्रोद्योग मंत्री संजय सावकारे की पत्नी रजनी सावकारे को पराजित किया था। उनकी इस जीत को स्थानीय राजनीति में बड़ा उलटफेर माना जा रहा था। हालांकि, चुनाव के बाद भाजपा और रजनी सावकारे की ओर से आरोप लगाया गया था।

पुलिस ने चार को पकड़ा

पद्मश्री फूलबासन बाई यादव का दिनदहाड़े हुआ अपहरण..

राजनांदगांव/ संवाददाता

पद्मश्री फूलबासन बाई यादव के अपहरण का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद पूरे जिले में सनसनी फैल गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और अन्य पुलिस अधिकारी सुकुलदैहान चौकी पहुंचे और मामले की जांच कर रहे हैं। यह घटना राजनांदगांव जिले के सुकुलदैहान चौकी क्षेत्र की है। सुकुलदैहान निवासी समाजसेविका पद्मश्री फूलबासन बाई यादव अपने घर में थीं। इस दौरान बेमेतरा जिले के चार लोग उनके घर आए। इनमें दो महिला

और दो पुरुष शामिल हैं, जो उनके पूर्व परिचित थे। चारों ने पहले उनसे बातचीत की और फिर उन्हें अपनी कार में बैठाया। दिव्यांग से तस्वीर लेने की बात कहकर उन्हें जबरदस्ती कार में बैठाया गया। इसके बाद उन्हें पकड़कर मुंह में कपड़ा रखकर हाथ-पैर को पकड़कर जबरदस्ती ले जाया जा रहा था। अपहरणकर्ताओं का यह प्रयास सफल नहीं हो सका। शहर के चिखली चौकी के पास यातायात पुलिस जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान कुछ पुलिसकर्मियों ने फूलबासन बाई को कार में देखा। फूलबासन बाई ने पुलिसकर्मियों को देखकर हाथ हिलाया और मदद के लिए आवाज दी। एक यातायात पुलिसकर्मी ने उनकी आवाज सुनी, जिसके बाद अपहरण के पूरे मामले का खुलासा हुआ। यातायात पुलिस की सजगता से अपहरणकर्ताओं को तुरंत पकड़ा गया।

पत्नी की लाश से लिपट कर दहाड़ें मार रहा था पति

मेरठ। यूपी के मेरठ से एक ऐसा खौफनाक और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसे सुनकर किसी के भी रोंगटे खड़े हो जाएंगे। यहां एक कातिल पति अपनी पत्नी को बेरहमी से मौत के घाट उतारने के बाद उसी की लाश के पास बैठकर दहाड़ें मार-मारकर रोने लगा। उसकी चीख-पुकार और आंसुओं को देखकर वहां मौजूद भीड़ को भी यही लगा कि वह अपनी पत्नी के जाने के गम में टूट चुका है। उसे इस बात का जरा भी खौफ नहीं था कि उसका राज खुल सकता है। लेकिन, इस 'परफेक्ट मर्डर' की कहानी से पर्दा उसी की 6 साल की मासूम बच्ची ने उठा दिया।

कैबिनेट ने दी मंजूरी

कोर्ट में जजों की संख्या 34 से बढ़कर होगी 38

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या को लेकर मंगलवार को अहम फैसला लिया। कैबिनेट ने स्ट में न्यायाधीशों की कुल संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने की मंजूरी दे दी। यह फैसला छह साल बाद लिया गया है, जब 2019 में इसे 31 से बढ़ाकर 33 किया गया था। सरकार का कहना है कि इस कदम का मकसद सुप्रीम कोर्ट को और मजबूत करना व न्याय प्रक्रिया को तेज करना है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में 92 हजार से ज्यादा मामले लंबित हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी

वैष्णव ने बताया कि फिलहाल अदालत में 33 न्यायाधीश और एक मुख्य न्यायाधीश हैं। संसद के आगामी सत्र में इस संबंध में एक विधेयक पेश किया जाएगा। विधेयक के पारित होने के बाद मुख्य न्यायाधीश सहित सुप्रीम कोर्ट के जजों की कुल संख्या 38 हो जाएगी। यह फैसला न्यायालय में लंबित मामलों के बोझ को कम करने और न्याय प्रक्रिया को तेज करने के उद्देश्य से लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम 1956 में मूल रूप से मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर 10 न्यायाधीशों का प्रावधान था। 1960 में इसे 13 और बाद में 17 किया गया। 1986 के संशोधन से संख्या 25 हो गई और 2009 में इसे 30 कर दिया गया। इस प्रस्ताव के बाद न्यायपालिका को मजबूत करने की दिशा में एक अहम उठाया गया है, जो देश के न्यायिक ढांचे को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

संवाद से समाधान

कमराखोल में मुख्यमंत्री ने दूर की बिजली बिल की चिंता

■ बकाया बिल से घबराने की जरूरत नहीं, समाधान योजना से मिलेगी राहत' - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के मुखिया श्री विष्णुदेव साय का 4 मई को सुदूर वनांचल ग्राम कमराखोल का दौरा आमजन के लिए राहत और विश्वास का संदेश लेकर आया। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आम पेड़ के नीचे आयोजित चौपाल में मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को आत्मीयता से सुना और मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। यह दृश्य शासन और जनता के बीच विश्वास के मजबूत रिश्ते का जीवंत उदाहरण बन गया। चौपाल के दौरान जब एक ग्रामीण ने बढ़ते बिजली बिल और बकाया राशि को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की, तो मुख्यमंत्री ने उसे बीच में ही आश्वस्त करते हुए कहा परेशान होने की जरूरत नहीं है, आपकी सरकार आपके साथ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की बिजली बिल भुगतान समाधान योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत देने के उद्देश्य से लागू की गई है, जिसके तहत पुराने बकाया बिलों में व्यापक छूट प्रदान की जा रही है। घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ कृषि पंप धारकों को भी योजना का लाभ

मिल रहा है, जबकि बीपीएल परिवारों के लिए विशेष रियायतों का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय की कार्यशैली केवल आश्वासन तक सीमित नहीं रही। उन्होंने तत्काल कलेक्टर को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि कमराखोल सहित आसपास के गांवों के लोगों को दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें और समस्याओं का समाधान उनके अपने गांव में ही हो सके।इस दौरान कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने जानकारी दी कि जिले में अब तक 13 हजार से अधिक उपभोक्ता इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं और उन्हें कुल 11.75 करोड़ रुपये से अधिक की छूट प्रदान की जा चुकी है। कमराखोल की इस चौपाल ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब शासन का नेतृत्व सीधे जनता से संवाद करता है, तो जटिल समस्याओं का समाधान भी सरल हो जाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की यह पहल इस बात का प्रमाण है कि सुशासन केवल योजनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि उन्हें अंतिम व्यक्ति तक सहजता से पहुंचाने की प्रतिबद्धता का नाम है।

मुख्यमंत्री ने पीएम जनमन के हितग्राही को सौंपी खुशियों की चाबी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत जारी राज्यव्यापी दौरे में आज खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के छुईखदान विकासखंड के ग्राम सरोधी में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत सुभान सिंह मेरावी को उनके नवनिर्मित आवास की चाबी सौंपकर गृह प्रवेश कराया। सुभान सिंह ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि मुख्यमंत्री स्वयं उनके गांव आकर उन्हें यह सौभाग्य देंगे। उनके लिए यह केवल घर नहीं, बल्कि सम्मान और विश्वास का प्रतीक है।उन्होंने बताया कि उन्हें वन अधिकार पट्टा के तहत 3 एकड़ 2 डिसमिल भूमि मिली है, जिस पर खेती कर वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। साथ ही उनकी पत्नी को महतारी वंदन योजना के तहत नियमित आर्थिक सहायता भी मिल रही है।

समाजसेवी × सटोरिया को रायगढ़ पुलिस की खुली छूट
FIR मे नाम दर्ज होने के बाद भी नहीं हो रही गिरफ्तारी

रायगढ़/मूक पत्रिका

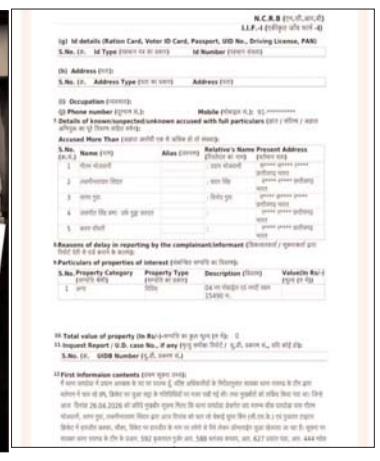

रायगढ़ मे सामजिक कार्यकर्ता होने का मुखौटा लगाने वाले और पुलिस और मंत्री जी का खास बताने वाला का चल रहा हैं क्रिकेट सत्ता का जोरदार खेल पूर्व में कई बड़े बड़े आरोप में लिप्त था सटोरिया. कभी नाबालिक बच्चे को जिम से अगवा कर पिटाई, तो कभी कोतरा रोड इलाके में आगजनी, या गैलेक्सी मॉल में मारपीट और मित्तल के फांसी का आरोपी था रायगढ़ में अपने गैंग में कई निगरानीशुदा बदमाशो का लीडर बन के चला रहा है क्रिकेट सट्टा का साम्राज्य ,क्रिकेट सट्टा केस में जिसका भी नाम आया उसे जेल जाना पड़ा एकमात्र नाम करन चौधरी जो सट्टा के मामले मे स्न्नद्धक्र होने के बाद भी आराम से कानून की गिरफ्त से बाहर मौजमस्ती कर रहा 3 साल पहले जिसके खिलाफ शहर के कुछ सामाजिक संगठन हड़ताल तक कर चुके अब वो ही इसका बचाव करते दिख रहे यह कैसा व्हाइट कॉलर है जो सारे प्रकार के अपराधों में लिप्त फिर भी बेगुनाह. मानना पड़ेगा कुछ तो बात है गाँधी जी में. अगर बात करें ताजा मामला का तो घरघोड़ा और रायगढ़ में सट्टा के कार्यवाही में छह लोगों की गिरफ्तार की गई है जिसमें सातवां नाम करण चौधरी का है उसके बाद भी रायगढ़ पुलिस जीरो टॉलरेंस नीति के तहत उस सामाजिक कार्यकर्ता को गिरफ्तार नहीं कर पा रही है.. रायगढ़ पुलिस का नाम देश नहीं प्रदेश नहीं पुरे देश में कार्यवाही के नाम पर जाना जाता रहा है और इस तरह के सटोरियों को खुलेआम छूट देना रायगढ़ पुलिस की कहीं ना कहीं छवि को खराब कर रहा है. ऐसे लोगों को रायगढ़ पुलिस तत्काल गिरफ्तार करके रायगढ़ में चल रहे जीरो टॉलरेट नीति को आगे बढ़ाये ताकि रायगढ़ में सट्टा मुक्त करने की अभियान को तेजी मिल सके..

गश्त वाहन देख भागा युवक, एटीएम तोड़ने की कोशिश नाकाम – CCTV में कैद वारदात

पत्थलगांव/मूक पत्रिका

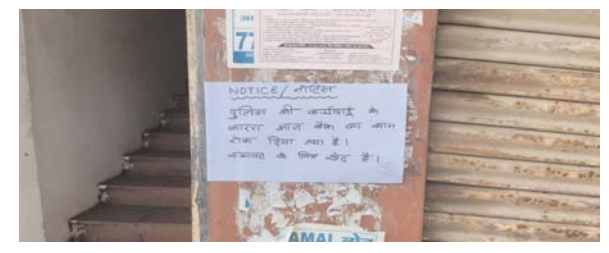

बीती रात पत्थलगांव स्थित पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम को निशाना बनाते हुए एक युवक ने तोड़फोड़ की कोशिश की, लेकिन वह अपने मंसूबों में सफल नहीं हो पाया। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।मिली जानकारी के अनुसार, युवक पहले कैमरे पर स्प्रे करता हुआ दिखाई दिया ताकि पहचान छुपा सके। इसके बाद उसने एटीएम मशीन को तोड़ने का प्रयास किया, परंतु काफी कोशिशों के बावजूद मशीन को नुकसान नहीं पहुंचा सका। इसी दौरान पुलिस की गश्त वाहन को आते देख युवक आनन-फानन में मौके से फरार हो गया, जिससे एक बड़ी घटना टल गई।बैंक कर्मचारी कुशल कुमार ने बताया कि एटीएम में लगभग 5 लाख रुपये नकद मौजूद थे। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि एटीएम नीचे के हिस्से में स्थित है, जबकि बैंक की मुख्य शाखा ऊपर तल पर संचालित होती है। घटना के बाद सुरक्षा और जांच के मद्देनज़र बैंक का कामकाज अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने में जुटी है और जल्द कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

रेत के अवैध परिवहन पर कार्रवाई, 6 हाइवा एवं 3 ट्रैक्टर जब्त

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर रोकथाम हेतु राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए जिले के विभिन्न क्षेत्रों का औचक जांच किया गया। खनिज अधिकारी ने बताया कि जांच के बम्हनीडीह क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन करते पाये जाने पर 02 हाइवा जब्त कर जब्त कर थाना बम्हनीडीह के सुपुर्द किया गया। इसी प्रकार जांजगीर क्षेत्र में 03 ट्रैक्टर जब्त कर खनिज विभाग को अग्रिम कार्यवाही हेतु सुपुर्द किया गया। साथ ही देवरहा, पीथमपुर, गढ़ापाली, केवा नवापारा क्षेत्र तथा जांजगीर मुख्य मार्ग में जांच करते हुए कुल 04 हाईवा को खनिज रेत के अवैध परिवहन करते पाए जाने पर जब्त कर पुलिस लाइन खोखरा में सुरक्षार्थ रखा गया है। खनिजों के अवैध परिवहन के दर्ज प्रकरणों पर अवैध परिवहनकर्ताओं के विरूद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर के निर्देशन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण के संबंध में खनिज विभाग द्वारा निरंतर जांच कार्यवाही की जा रही है, जो कि आगे भी इसी प्रकार जारी रहेगी।

सूरजपुर में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' का शुभारंभ, गांव-गांव पहुंच रहा कृषि रथ

सूरजपुर /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखण्डों में आज ÷विकसित कृषि संकल्प अभियान÷ की शुरुआत की गई। अभियान के प्रथम दिवस कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो गांव-गांव पहुंचकर किसानों को आधुनिक खेती की तकनीकों, उन्नत बीजों एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करेगा। अभियान के तहत जिले के विभिन्न विकासखण्डों में कुल 12 कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें भैयाथान विकासखण्ड के सांवारावा एवं चन्द्रमेढ़ा, ओड़गी के नावाटोला व खडौली, सूरजपुर के उंचडीह व चम्पकनगर, रामानुजनगर के देवनगर व सोनपुर, प्रतापपुर के करसी व रमकोला तथा प्रेमनगर के कंचनपुर व नावापाराखुर्द ग्राम पंचायत शामिल रहे। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में किसानों की सहभागिता देखी गई।कार्यक्रमों में कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ-साथ कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी एवं मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने भाग लेकर किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग के लिए वैज्ञानिक अनुशंसाओं के आधार पर ई-उर्वरक (टोकन प्रणाली) से वितरण की प्रक्रिया समझाई गई।इस दौरान डीएपी के विकल्प के रूप में 12:32:16, 20:20:13, 10:26:26, 28:28:0, 16:16:16 एवं 14:35:14 जैसे उर्वरकों के उपयोग की जानकारी दी गई। साथ ही टीएसपी, एसएसपी, हरी खाद, जैव उर्वरक एवं नील हरित काई के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का किया गया आत्मीय स्वागत

जगदलपुर /मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का एक दिवसीय जगदलपुर आगमन पर पी जी कालेज ग्राउंड में बने हेलीपैड पर वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप, विधायक जगदलपुर किरण देव, विधायक चित्रकोट विनायक गोयल, सीजी ब्रेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, महापौर संजय पांडेय, नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन सहित कमिश्नर डोमन सिंह, आई जी सुंदरराज पी., कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री साय शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित इनोवेशन महानुभाव 1.0 कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं।उनके साथ उच्च शिक्षा और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा भी पहुँचे थे ।

7 साल 7 महीने में अद्वितीय सफलता!' नन्ही प्रतिभा ने 5वीं पास कर रचा इतिहास, 91% के साथ बनी छत्तीसगढ़ की सबसे कम उम्र की टॉपर

स्कूल शिक्षा विभाग
प्राथमिक प्रमाण पत्र परीक्षा वर्ष - 2026
जिला - रायगढ़ (छ.ग.)
प्रवेश पत्र - कक्षा 5वीं
22041104513
अनुक्रमांक (रोल नम्बर)- 521084 | माध्यम - हिन्दी | प्रवेशांक - 739
परीक्षा केन्द्र का नाम - प्रा॰ शा॰ अमरदीप स्कूल | विकासखण्ड - लैलूंगा, जिला - रायगढ़ (छ.ग.)
विद्यार्थी का नाम - ओजस्वी चतुर्वेदी | जन्मतिथि - 03092018
पिता का नाम - जितेन्द्र कुमार चतुर्वेदी | माता का नाम - लक्ष्मीन चतुर्वेदी

परीक्षा दिनांक	16-03-2026	19-03-2026	23-03-2026	25-03-2026	समय
परीक्षा का विषय	गणित	अंग्रेजी	हिन्दी	पर्यावरण	सुबह 9 से 11 बजे

केन्द्राध्यक्ष
अमरदीप उ.मा.वि. लैलूंगा
वि.ख.लैलूंगा,जि.रायगढ़(छ.ग.)

लैलूंगा /मूक पत्रिका

जहां बच्चे इस उम्र में ठीक से कॉपी-किताब पकड़ना सीखते हैं, वहीं अमरदीप उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लैलूंगा जिला रायगढ़ में अध्ययनरत कुमारी ओजस्वी चतुर्वेदी पिता जीतेंद्र कुमार चतुर्वेदी कक्षा दूसरी की इस नन्ही होनहार छात्रा ने सिर्फ 7 साल 7 महीने की उम्र में कक्षा पांचवी पास कर ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसे सुनकर शिक्षा जगत भी हैरान रह गया है।इतिहास रचते हुए यह छात्रा बनी प्रदेश की सबसे कम उम्र में 5वीं पास करने वाली बच्ची, और वो भी 91%अंकों के साथ!

खास बात — मिली थी विशेष अनुमति-इस असाधारण उपलब्धि के पीछे सिर्फ मेहनत ही नहीं, बल्कि शिक्षा विभाग से ली गई विशेष अनुमति भी अहम रही। ज़िला शिक्षा अधिकारी डॉक्टर के वी राव ने बच्ची की प्रतिभा को पहचान कर दी परीक्षा में बैठने की विशेष अनुमति। नियमित अध्ययन और सीखने की जिज्ञासा को बनाए रखते हुए लैलूंगा जिला रायगढ़ का नाम पूरे छत्तीसगढ़ में रौशन किया है।

यूट्यूब पर भी छाई नन्ही गुरु!-सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, यह बच्ची आज ड्ढश्वह्वञ्जह्वड्ढद्ग चैनल के माध्यम से सभी विषयों पर लेक्चर देकर हजारों बच्चों को पढ़ा रही है।कम उम्र में इतनी पकड़ और आत्मविश्वास–ये अपने आप में एक मिसाल बन चुका है।

वित्त मंत्री श्री ओ पी चौधरी तक पहुंचे हुनर के चर्चे -इस होनहार की प्रतिभा का लोहा अब बड़े-बड़े लोग भी मान चुके हैं।

माननीय वित्त मंत्री श्री ओ पी चौधरी द्वारा ओजस्वी चतुर्वेदी को विशेष मार्गदर्शन और आशीर्वाद भी मिल चुका है, जो इस उपलब्धि को और भी खास बना देता है।

बवाल सवाल – क्या अब बदलेगा शिक्षा का पैमाना?

पिता ने बनाया खुला आसमान प्रोजेक्ट -ओजस्वी चतुर्वेदी के पिता श्री जितेंद्र कुमार चतुर्वेदी व्याख्याता के पद पर लैलूंगा ब्लाक में कार्यरत है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री युवा केंद्र लैलूंगा के प्रभारी रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कुछ नया करने के लिए खुला आसमान प्रोजेक्ट बनाया गया है। इस प्रोजेक्ट में बच्चों की प्रतिभा और आई क्यू के आधार पर सीखने की प्रतिभा को लगातार आगे बढ़ाया जाएगा ऐसा उनका मानना है। इस प्रोजेक्ट पर पहला प्रयोग अपनी बच्ची पर वह खुद कर रहे हैं। जिसका उदाहरण आप सबके सामने है। ओजस्वी चतुर्वेदी पिता जितेंद्र कुमार चतुर्वेदी वार्ड नंबर 2 जुनाडीह लैलूंगा के निवासी है।

ओजस्वी के पिताजी ने अपनी बेटी की सफलता शिक्षा विभाग को समर्पित की है और ऐसे ही प्रतिभाशाली बच्चों को आगे लाने के लिए प्रयास करने का निर्णय लिया है। एक लाइन में कहानी=÷नन्ही उम्र, बड़ा धमाका – 7 साल की बच्ची ने 5वीं पास कर पूरे छत्तीसगढ़ को कर दिया गौरवान्वित!÷

रायगढ़ में युवक का खतरनाक बाइक स्टंटः VIDEO वायरल, पुलिस ने लगाई फटकार और कटाया चालान

रायगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में रिटायर्ड आरक्षक के बेटे का खतरनाक बाइक स्टंट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। युवक ने बिना हेलमेट के सार्वजनिक सड़क पर बाइक को एक पहिए पर चलाते हुए रील बनाई और इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दी। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 2 हजार रुपए का चालान काटा और युवक से माफी मंगवाई।मामला तमनार थाना क्षेत्र के हुंकराडीपा रोड का है। स्टंट करने वाले युवक की पहचान 20 वर्षीय शाश्वत सिदार के रूप में हुई है, जो ग्राम कुंजेमुरा का निवासी है। उसके पिता नरेंद्र सिदार रिटायर्ड पुलिसकर्मी हैं। वायरल वीडियो में शाश्वत बिना हेलमेट के स्पोर्ट्स बाइक पर खतरनाक स्टंट करते नजर आ रहा है।वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और युवक की पहचान कर उसे थाने बुलाया। पूछताछ में शाश्वत ने स्वीकार किया कि वीडियो उसी ने बनाया और सोशल मीडिया पर अपलोड किया था। इसके बाद पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया।थाना प्रभारी ने युवक को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि सार्वजनिक सड़कों पर इस तरह की स्टंटबाजी न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि जानलेवा भी हो सकती है। उसे भविष्य में ट्रैफिक नियमों का पालन करने और हेलमेट पहनकर वाहन चलाने की चेतावनी दी गई। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने भी स्पष्ट किया कि कानून सभी के लिए बराबर है। चाहे कोई पुलिस परिवार से जुड़ा हो या आम नागरिक, नियम तोड़ने पर कार्रवाई तय है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सोशल मीडिया के लिए खतरनाक स्टंट करने से बचें, क्योंकि इससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है

तमनार में 19 मई को 'महा-जनसुनवाई':

SECL की पेलमा खदान का भारी विरोध, पर्दे के पीछे अडाणी ग्रुप और एक बार फिर उजड़ेंगे कई गांव और जंगल

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले के तमनार ब्लॉक में एक बार फिर औद्योगिक विकास और जल-जंगल-जमीन बचाने की लड़ाई आमने-सामने है। आगामी 19 मई को तमनार में एसईसीएल (SECL – South Eastern Coalfields Limited) की प्रस्तावित 'पेलमा ओपन कास्ट कोल माइन' परियोजना को लेकर पर्यावरण जनसुनवाई होने जा रही है। लेकिन इस जनसुनवाई से पहले ही पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश और तनाव का माहौल है। पिछले साल नवम्बर और दिसंबर महीने में तमनार में जिंदल के खदान को लेकर भारी विरोध देखने को मिला था। इसके साथ ही ग्रामीणों और शहरी लोगो का आरोप है कि सरकारी कंपनी की आड़ में यह पूरा प्रोजेक्ट निजी हाथों में सौंपा जा चुका है और इसके लिए बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई और गांवों का विस्थापन किया जाएगा।

क्या है पेलमा ओपन कास्ट माइन प्रोजेक्ट?-दस्तावेजों के अनुसार, स्श्वष्टरु की इस खुली खदान की कुल उत्पादन क्षमता 15 मिलियन टन प्रति वर्ष (15 MTPA) तय की गई है। यह एक विशालकाय प्रोजेक्ट है, जिसका कुल दायरा लगभग 2077 हेक्टेयर में फैला होगा। कोयला निकालने के लिए इस क्षेत्र के बड़े हिस्से का अधिग्रहण किया जाना है।

परियोजना का खौफनाक दायराः 362 हेक्टेयर जंगल की होगी कटाई-इस प्रोजेक्ट का सबसे बड़ा और विनाशकारी प्रभाव पर्यावरण पर पड़ने वाला है। पर्यावरण मंजूरी (EC) और 'एनवायर्नमेंटल इम्पैक्ट असेसमेंट' (EIA) रिपोर्ट के मुताबिक, इस खदान को विकसित करने के लिए करीब 362 हेक्टेयर के घने जंगलों को काटा जाएगा। क्षेत्र में पहले से ही कोयला खदानों और राखड़ (Fly Ash) के कारण प्रदूषण चरम पर है, आलम यह है कि 30 किलोमीटर दूर रायगढ़ की घरो की छत और फर्श में भी काले डस्ट पाए जाते है! ऐसे में इतनी बड़ी मात्रा में जंगल कटने से स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र पूरी तरह तबाह होने की पूरी आशंका है।

क्या है इस खदान का अडाणी कनेक्शन?-स्थानीय ग्रामीणों के विरोध की सबसे बड़ी वजह इस प्रोजेक्ट में अडाणी ग्रुप की एंट्री है। भारत सरकार के कोयला मंत्रालय (Ministry of Coal) और SECL की अगस्त 2023 की आधिकारिक प्रेस रिलीज़ बताती है कि कागजों पर यह खदान केंद्र सरकार की कंपनी SECL की है। लेकिन धरातल पर सच्चाई यह है कि अगस्त 2023 में स्श्वष्टरु और कोयला मंत्रालय ने ÒMDO (Mine Developer and Operator) मॉडल' के तहत इस खदान को चालू करने का एग्रीमेंट अडाणी एंटरप्राइजेज की कंपनी 'पेलमा कोलियरीज' (Pelma Collieries) के साथ किया है।

इस एग्रीमेंट के तहत अगले 20 सालों तक खदान की डिजाइनिंग, फाइनेंसिंग, निर्माण, कोयला उत्खनन और मेंटेनेंस की पूरी जिम्मेदारी अडाणी ग्रुप के पास ही रहेगी। ग्रामीणों का आरोप है कि स्श्वष्टरु केवल एक मुखौटा है, और असल मुनाफा निजी कंपनी कमाएगी, जबकि नुकसान तमनार और रायगढ़ की जनता को भुगतना पड़ेगा। यह MDO मॉडल के तहत किसी निजी कंपनी को सौंपी गई छत्तीसगढ़ की पहली ओपनकास्ट खदान है।

ये गांव होंगे सबसे ज्यादा प्रभावित, मंडरा रहा है विस्थापन का खतरा-इस प्रोजेक्ट के कारण तमनार ब्लॉक के कई गांव सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। खदान, ओबी डंप (OB Dump) और कोयला परिवहन के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए मुख्य रूप से 9 गांवों की जमीन अधिग्रहित की जा रही है, जिनमें शामिल हैं:पेलमा,उरबा,मदुवाडुमर,लालपुर,हिंझर,जरहीडीह,साकता,मिलुपारा,खर्रा इनमें से कई गांवों पर पूर्ण विस्थापन का खतरा मंडरा रहा है, जिससे पीढ़ियों से यहां रह रहे आदिवासी और ग्रामीण अपनी आजीविका खोने के डर से दहशत में हैं।

पेसा (PESA) कानून की अनदेखी का आरोप-पेलमा और इसके आसपास के कई गांव पेसा कानून (PESA Act) के अंतर्गत आते हैं। संविधान के इस प्रावधान के तहत आदिवासी क्षेत्रों में किसी भी भूमि अधिग्रहण या प्रोजेक्ट के लिए ग्रामसभा की सहमति अनिवार्य है। लेकिन स्थानीय कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों का स्पष्ट आरोप है कि प्रशासन ग्रामसभाओं के अधिकारों को दरकिनार कर रहा है। इसी के तहत घरघोड़ा से पेलमा तक कोयला ढोने के लिए बिछाई जा रही नई रेलवे लाइन का भी भारी विरोध हो रहा है।

औद्योगिक घरानों के खिलाफकड़े आंदोलनों का इतिहास-तमनार का इतिहास औद्योगिक घरानों के खिलाफकड़े आंदोलनों का रहा है। हाल ही में इसी इलाके में अडाणी और जिंदल के अन्य कोल ब्लॉक प्रोजेक्ट्स (जैसे गारे-पेलमा) को लेकर भारी विरोध और हिंसक झड़पें हो चुकी हैं, जिसके कारण या तो जनसुनवाइयां रद्द करनी पड़ी, या गुपचुप तरीके से सफल करनी पड़ी । जल, जंगल और जमीन छिनने के खौफ और पुरानी घटनाओं को देखते हुए, 19 मई को होने वाली यह जनसुनवाई जिला प्रशासन और पुलिस-प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती साबित होने वाली है। क्या यह जनसुनवाई शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो पाएगी, या तमनार एक बार फिर एक बड़े जन-आंदोलन का गवाह बनेगा, यह देखना दिलचस्प होगा।

आज उनकी जमीन, कल आपकी सांसें- 19 मई को होने वाली यह जनसुनवाई सिर्फ उन चंद गांवों के किसानों की लड़ाई नहीं है, जिनकी जमीनें छिनने वाली हैं। यह रायगढ़ के हर उस नागरिक की लड़ाई है, जो आज प्रदूषण की मार झेल रहा है। कोयले की कालिख, उड़ती राख, कैंसर जैसी बीमारियां और सूखता भूजल.. यह सब इन्हीं 'सफल जनसुनवाइयों' का नतीजा है। रायगढ़ की जनता को यह समझना होगा कि अगर आज हम अपने कमरों में एसी चलाकर यह सोच रहे हैं कि ÷हमारी जमीन थोड़ी जा रही है÷, तो याद रखिएज् जमीन उनकी जा रही है, लेकिन उस खदान से उड़ने वाला जहर कल आपके बच्चों की सांसों में घुलेगा। 19 मई को सिर्फ एक कंपनी का प्रोजेक्ट पास नहीं होगा, बल्कि रायगढ़ के भविष्य के ताबूत में एक और कील ठोंकी जाएगी।

बंगाल चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत पर चांपा में रसोगुल्ला-झालमुड़ी वितरण, कार्यकर्ताओं ने मनाया उत्सव

चांपा/मूक पत्रिका

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक और प्रचंड जीत के उपलक्ष्य में चांपा नगर में हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ एवं महाराजा सीताराम गुहा के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें बंगाल की प्रसिद्ध मिठाई रसोगुल्ला एवं झालमुड़ी का वितरण कर कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों के साथ खुशी साझा की गई। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि बंगाल की यह जीत कोई साधारण विजय नहीं, बल्कि तानाशाही और भय के वातावरण के खिलाफ निडर होकर मतदान करने वाले मतदाताओं की ऐतिहासिक जीत है। जनता ने निर्भीकता और उत्साह के साथ लोकतंत्र के पक्ष में मतदान कर परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। इसी जनभावना के सम्मान में नगर मंडल चांपा में यह आयोजन किया गया।

रसोगुल्ला और झालमुड़ी का वितरण करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यह कार्यक्रम आम जनमानस के सम्मान और बंगाल की अविस्मरणीय जीत के उत्सव के रूप में आयोजित है। मिठाइयों का स्वाद लेते हुए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष संतोष जब्बल, जिला मंत्री गणेश श्रीवास, झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ जिला सह संयोजक गिरीश मोदी, सलीम मेमन, राजन गुप्ता, महाराजा सीता राम गुहा, विद्याभूषण गोपाल, मुकेश जायसवाल, भवानी गुप्ता, युवा मोर्चा अध्यक्ष लव देवांगन, आकाश भोजवानी, विकास सोनी, सत्यप्रकाश सोनी, देवव्रत देवांगन, विक्रांत बघेल, संत नागरिकों ने भी जीत की खुशी साझा की। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मीचंद देवांगन, पूर्व जिला महामंत्री पुरुषोत्तम शर्मा, सोनत, हितेश राज, संतोष देवांगन, सूर्यप्रकाश कंसारी, अखिलेश पांडे सहित भाजपा नगर मंडल चांपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

वन्यजीव तस्करी का भंडाफोड़: कांकेर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 7 जीवित दुर्लभ कछुओं के साथ 4 तस्कर गिरफ्तार

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /:- उत्तर बस्तर कांकेर पुलिस ने वन्यजीवों के अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। सिटी कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी करते हुए पण्डरीपानी दूध नदी स्टॉप डैम के पास से 4 तस्करों को रंगे हाथों पकड़ा है। इनके कब्जे से 7 नग छोटे-बड़े जीवित देशी कछुए बरामद किए गए हैं, जिन्हें एक सफेद बोरी में छिपाकर ले जाया जा रहा था।

मुखबिर की सूचना पर बिछाया गया जाल-जानकारी के अनुसार, 3 मई 2026 को पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस को सटीक जानकारी मिली कि कुछ व्यक्ति सिविल लाइन क्षेत्र के पास प्रतिबंधित कछुओं की तस्करी करने की फिराक में हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा (भा.पु.से.) के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम का गठन किया गया।अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (स्वतन्त्र) मोहसीन खान (रा.पु.से.) के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम ने पण्डरीपानी स्टॉप डैम के पास दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन मुस्तैद टीम ने घेराबंदी कर उन्हें धर दबोचा।इन आरोपियों की हुई गिरफ्तारी पकड़े गए आरोपी मुख्य रूप से थाना कोरर क्षेत्र के रहने वाले हैं:

1. मनबोध राम भेडिया (50 वर्ष), निवासी पोटगांव।
2. सदीप कुमार गोटा (19 वर्ष), निवासी पोटगांव।
3. उमेश कुमार गोटा (30 वर्ष), निवासी पोटगांव।
4. ऐवन कुमार गोटा, निवासी पोटगांव।

कड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज-पुलिस ने आरोपियों के पास से वन्यजीवों से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज नहीं होने पर उनके खिलाफवन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9, 50, और 51 के तहत अपराध क्रमांक 151/2026 दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना जारी है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका-इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रतीक दादासाहब बनसोडे (भा.पु.से.), एसआई सुरेंद्र मानिकपुरी, सउनि भुनेश्वरी भगत, प्रधान आरक्षक शिव बेसरे, आरक्षक राकेश बघेल और लक्ष्मण भास्कर की विशेष भूमिका रही।

कांकेर पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या अपराध की सूचना तत्काल पुलिस हेल्पलाइन नंबर 94791-55125 पर दें।

05 गौवंश से भरी पीकअप वाहन सहित आरोपी गिरफ्तार, एक विधि के साथ संघर्षरत बालक भी शामिल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

05 नग गौवंश (भैंस-पड़वा) से भरी पीकअप वाहन, जुमला कीमती करीबन 5 लाख 76 हजार रूपये सहित आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया जिसमें एक विधि के साथ संघर्षरत बालक भी शामिल हैं। प्रार्थी वामन ताम्रकार उम्र 21 वर्ष, एवं अन्य निवासी धमधा जिला दुर्ग, गौवंश सेवकों ने चौकी देवकर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 03 मई 2026 को देर रात को गौ वंश की तस्करी कर कत्लखाना ले जाने की सूचना मिलने पर देवकर सुरही नदी ओवर ब्रिज के पास में गौ वंश (भैंस पड़वा) को वाहन पिकअप क्रमांक MH 35 AJ 4293 के चालक ईरसाद खान, साथी गोविन्द मरावी व एक अन्य साथी के द्वारा उक्त वाहन में बिना पशु खरीदी बिक्री रसीद कागजात के बिना चारा पानी भुसा दिए ठुस ठुस कर वाहन में कुरतापूर्वक भरकर परिवहन करते कत्लखाना ले जा रहे थे कि रिपोर्ट पर आरोपीगणों के खिलाफ अपराध सदर धारा 325 BNS, छ.ग. कृषक पशु परि.अधि. 2004 की धारा 4,6,10, पशुओ के प्रति करुरता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11, छ.ग. कृषक पशुओं का परिवहन अधिनियम 1978 की धारा 47 (ए), 47(सी), 49(ए), 54(1)(2)(3),55(ए) एवं मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 66/192 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना के संबंध में वरिष्ट अधिकारियो को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने तत्काल आरोपी के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने निर्देश दिए। जिसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हरीश कुमार यादव एवं एसडीओपी बेमेतरा भुषण एक्का, एसडीओपी बेरला विनय कुमार के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी देवकर उप निरीक्षक अलील चंद को अपराध विवेचना हेतु पुलिस चौकी स्टाफ के साथ लगाया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान घटना में प्रयुक्त पिकअप क्रमांक MH 35 AJ 4293 सहित 05 नग गौवंश (भैंस- पड़वा) कुल जुमला कीमती लगभग 5,76,000/- रूपये को जप्त किया गया। प्रकरण में आरोपी 01. ईरसाद खान पिता हनीफ खान उम्र 22 वर्ष, निवासी चीमटोला थाना लांजी जिला बालाघाट (म.प्र.), 02. गोविन्द मरावी पिता स्व. सुखमन सिंह उम्र 70 वर्ष, निवासी बगदेही, थाना लांजी जिला बालाघाट (म.प्र.) को 03 मई 2026 को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया एवं एक विधि के साथ संघर्षरत बालक को माननीय न्याय किशोर बोर्ड न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

सुशासन तिहार 2026 के तहत छुरा के पाटसिवनी में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

जनसमस्या निवारण शिविर में प्रकरणों का किया गया तत्काल निराकरण

गरियाबंद/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत गांव-गांव, द्वार-द्वार अभियान के तहत आज छुरा विकासखण्ड के ग्राम पाटसिवनी स्थित शासकीय हाई स्कूल परिसर में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में आसपास के 15 गांवों के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और विभिन्न विभागों के समक्ष अपनी समस्याएं एवं मांगें प्रस्तुत कीं। जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। स्टॉलों का अवलोकन राजिम विधायक रोहित साहू, जनपद अध्यक्ष मती मीरा ठाकुर, कलेक्टर बीएस उइके, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने किया। इस दौरान हितग्राहियों को जनप्रतिनिधियों ने सामग्री वितरण भी किया गया। इनमें स्वास्थ्य विभाग द्वारा 6 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 02 हितग्राहियों को पूर्ण आवासों की चाबी सौपी गई। दसवीं बोर्ड में उत्कृष्ट अंक लाने वाले 5 विद्यार्थियों को शील्ड और फल प्रदान किया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा 2 दिव्यांगों को ट्राइसायकल वितरित किए गया। महिला एवं बाल विकास द्वारा 05 महिलाओं की गोदभराई की गई। मत्स्य विभाग द्वारा 02 स्व-सहायता समूह के महिलाओं को मत्स्य जाल एवं 02 हितग्राहियों को आईस बॉक्स प्रदान किया गया। इसी तरह 08 हितग्राहियों को मनरेगा जॉब कार्ड प्रदान किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य लेखराम धुर्वा, पन्नालाल साहू, राजेश साहू, जनपद सदस्य, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन और बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजिम विधायक रोहित साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी ग्रामीणों के एक-एक समस्याओं को सुनने के लिए यहाँ पहुंचे हुए है। ताकि ग्रामीणों को विभिन्न कार्यालयों में जाकर चक्कर न लगाना पड़े। साहू ने कहा कि ग्रामीणों के राजस्व प्रकरणों को निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करें। उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक नागरिकों के लिए चिंता कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणजन शिविर के महत्व को समझकर विभागीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। साहू ने कहा प्रत्येक ग्रामों में विकास कार्य कराएं जा रहे है। हमारी सरकार ने जो वायदे किए थे उसे लगातार पूरा कर रहे है। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता हर नागरिक की समस्या का त्वरित समाधान है। इस दौरान विधायक रोहित साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत 02 गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ 05 मई से 20 मई तक विभिन्न गॉवों में जाकर फसल चक्र परिवर्तन, प्राकृतिक, जैविक खेती, संतुलित उर्वरक उपयोग, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं उद्यानिकी फसलो के बारे में जानकारी देंगे। इस दौरान जनपद अध्यक्ष मती मीरा ठाकुर एवं जिला पंचायत सदस्य लेखराम धुर्वा ने भी संबोधित किया। आज के शिविर में कुल 393 आवेदन प्राप्त हुए थे। जिसमें से 03 शिकायतों से संबंधित थी। शिविर में एसडीएम विशाल महाराणा सहित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा की विजय रैली, स्वाधीन जैन ने बताया - छत्तीसगढ़ नेताओं की मेहनत रंग लाई

दल्ली राजहरा/मूक पत्रिका

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, अल्पसंख्यक मोर्चा, स्वाधीन जैन ने बताया कि पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक एवं प्रचंड विजय पर आज दल्ली राजहरा में गुप्ता चौक से बस स्टैंड चौक तक विजय रैली निकाली गई। जैन ने बताया कि वे स्वयं इस विजय रैली में सम्मिलित हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं और नागरिकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। मंडल अध्यक्ष के तत्वावधान में पेड़ा, लड्डू, झालपुड़ी खिलाकर एवं बैंड-बाजा, पटाखे फोड़ कर बधाई एवं उत्सव के रूप में इस शानदार जीत का जश्न मनाया गया। सभी ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

विजय रैली में शामिल प्रमुख जन

विजय रैली में भाजपा मंडल अध्यक्ष रामेश्वर साहू, नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू, नगर पालिका उपाध्यक्ष मनोज दुबे, राजहरा व्यापारी संघ अध्यक्ष गोविंद वाधवानी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पुरोभी वर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश दसोड, प्रदेश समिति सदस्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा जयदीप गुप्ता, पूर्व मीडिया प्रभारी आशीष लालवानी, मुकेश खस, जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा श्याम जायसवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष गुड्डू महेंद्र सिंह, रमेश जैन,प्रमोद भाई, समर्थ लखानी, पवन सोनी, पार्षद बीरेंद्र साहू, युवा मोर्चा अध्यक्ष सागर गनीर, सृजित अप्पू भाई, दमनदीप जी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के नेताओं-कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका

जैन ने कहा कि इस चुनाव में छत्तीसगढ़ भाजपा के संगठन महामंत्री आदरणीय पवन कुमार साय जी, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा जी एवं वरिष्ठ भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भी अहम भूमिका अदा की है। ÷पवन साय जी, विजय शर्मा जी एवं सैकड़ों वरिष्ठ नेताओं-कार्यकर्ताओं की टीम पिछले 6 महीने से लगातार बंगाल में रहकर दिन-रात अथक परिश्रम, प्रचार-प्रसार और संगठन कार्य में जुटी थी। इन्हीं सबकी तपस्या और मेहनत के कारण आज हम इस मुकाम पर सफलता प्राप्त कर पाए हैं,÷ जैन ने कहा।÷हमें गर्व है कि हमें पवन साय जी जैसा संगठन शिल्पी और विजय शर्मा जी जैसा कर्मठ नेतृत्व मिला। छत्तीसगढ़ के समस्त देवतुल्य कार्यकर्ताओं के परिश्रम को नमन। इस अभूतपूर्व विजय के सभी सूत्रधारों को हृदय से बधाई। बंगाल की राष्ट्रवादी जनता का कोटि-कोटि आभार,÷ जैन ने जोड़ा। जैन ने इस ऐतिहासिक जीत पर सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा - ÷भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद जिंदाबाद। जय श्री राम, जय हिंद, जय भारत, जय छत्तीसगढ़।÷

जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और पीएम हायर सेकेंण्डरी स्कूल का किया औचक निरीक्षण

गरियाबंद/मूक पत्रिका

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर ने आज कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं पीएम हायर सेकेंडरी स्कूल, गरियाबंद का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दोनों संस्थानों में संचालित गतिविधियों, सुविधाओं तथा जारी कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में बालिकाओं के लिए संचालित समर कैंप में पहुँचकर उन्होंने छात्राओं से विभिन्न गतिविधियों के बारे में पूछा और उन्हें अपनी रुचि के अनुसार कौशल सीखने तथा आगामी कक्षाओं की तैयारी में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। समर कैंप में मुख्य कार्यपालन अधिकारी को अपने बीच पाकर छात्राएँ उत्साहित और प्रसन्न दिखाई दीं।

उन्होंने अधीक्षिका को निर्देशित किया कि हॉस्टल परिसर में स्वच्छता, बच्चों के स्वास्थ्य तथा आवश्यकतानुसार मरम्मत कार्यों पर विशेष ध्यान देने को कहा। इसके पश्चात वे पीएम हायर सेकेंडरी स्कूल पहुँचे। जहाँ उन्होंने जारी निर्माण कार्य, शौचालय निर्माण एवं अन्य मरम्मत कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण और समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएँ। ताकि नए शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही स्कूल में प्रवेश प्रक्रिया का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार कर नामांकन बढ़ाने के निर्देश भी प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान डीएमसी शिवेश शुक्ला भी उपस्थित थे।

6 मई को नपा चांपा में होगा जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

सुशासन तिहार 2026: नगर पालिका जांजगीर-नैला एवं ग्राम पंचायत सेमरिया में जनसमस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जन शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने तथा आम जनता को सुगम, पारदर्शी एवं त्वरित रूप से सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज नगर पालिका जांजगीर-नैला के गौशाला स्कूल परिसर एवं ग्रामीण क्षेत्र के जनपद पंचायत पामगढ़ के ग्राम सेमरिया के शा.पू.मा.शाला सेमरिया में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गौशाला स्कूल परिसर कलस्टर में वार्डों क्र. 01 से 10 एवं सेमरिया कलस्टर में सेमरिया, कोनार, मुलमुला, नंदेली, भैंसो, झिलमिली, कोसा, डिघोरा, बोरसी, जेवरा, कोसीर, केसला, झूलन, चोरभट्ठी, खपरी, जोगीडीपा, पचरी, लगरा, सिल्ली, चण्डीपारा ग्राम पंचायत शामिल हुए। शिविर में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा हितग्राहियों को जाल, आइस बॉक्स, किसान किताब, नैनो यूरिया, आवास योजना की चाबी, लखपति दीदी प्रमाण पत्र, स्वामित्व कार्ड, बी1, नक्शा खसरा सहित विभिन्न योजना के तहत सामग्री, चेक और सम्मान पत्र दिया गया। साथ ही पीएम आवास योजना के तहत नवनिर्मित आवासों की चाबी भी प्रदान किया गया। समाधान शिविरों में नागरिकों द्वारा नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन जैसे राजस्व मामलों के साथ-साथ आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र, बिजली, ट्रांसफार्मर और आधार कार्ड, राशनकार्ड, आयुष्मान कार्ड, महतारी वंदन, पेंशन, श्रम कार्ड, जैसी विभिन्न विभागों के योजनाओं से लाभ लेने तथा विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर रहे है। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। शिविर में नगर पालिका जांजगीर-नैला में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 71 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमे 41 मांग एवं 30 शिकायत से संबंधित है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत सेमरिया में कुल 708 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमे 700 मांग एवं 8 शिकायत से संबंधित है। जन समस्या निवारण शिविर में पूर्व संसदीय सचिव श्री अम्बेश जांगड़े ने संबोधित करते हुए कहा कि शासन द्वारा सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 10 जून तक निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुखिया श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप यह पहल की गई है, जिसका उद्देश्य आमजनों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान करना है। उन्होंने कहा कि शिविर में उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारी संवेदनशीलता के साथ आम नागरिकों की मांगों एवं समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर इसका लाभ उठाएं। कलेक्टर ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से शासन द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं का सुगमता, पारदर्शिता एवं त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से एग्रीस्टेक में अनिवार्य रूप से पंजीयन कराने का आग्रह किया। साथ ही कृषि एवं संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वे किसानों को बीज एवं खाद की उपलब्धता, किसान क्रेडिट कार्ड तथा हॉर्टिकल्चर योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करें। कलेक्टर ने कहा कि शिविर के माध्यम से विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी दी जा रही है तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित भी किया जा रहा है।

इस दौरान कलेक्टर ने विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अधिकाधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करने एवं आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। सुशासन तिहार 2026 के तहत 6 मई को नगर पालिका चांपा के वार्ड क्रमांक 1 रूद्रेश्वरशरण सिंह सामुदायिक भवन एवं जनपद पंचायत अकलतरा के ग्राम पंचायत तिलई के शासकीय हाई स्कूल तिलई में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन होगा।

संपादकीय

पर्यटन केंद्रों पर हो रहे हादसों के पीछे बदइंतजामी और सिर्फ लापरवाही ?

पर्यटन केंद्रों में सुरक्षा उपायों की कमी और बदइंतजामी का खुलासा जबलपुर के बरगी बांध क्रूज हादसे ने किया है।बिना सुरक्षा साधनों के पर्यटन केंद्र चल रहे हैं। बदइंतजामी यह है कि पर्यटन गतिविधि के दौरान अगर कोई दुर्घटना हो जाती है तो रेस्क्यू करने का भी कोई इंतजाम नहीं है। मध्य प्रदेश में पर्यटन के दौरान कई दुखद हादसे हुए हैं, जिनमें हाल ही में 30 अप्रैल को जबलपुर के बरगी बांध में हुआ क्रूज हादसा सबसे प्रमुख है। 30 अप्रैल की शाम को हुआ क्रूज हादसा प्रशासनिक लापरवाही और सुरक्षा नियमों की अनदेखी का एक गंभीर उदाहरण बनकर सामने आया है। इन घटनाओं में मुख्य रूप से अचानक आए मौसम परिवर्तन, लापरवाही और सुरक्षा मानकों की कमी जैसे कारण सामने आए हैं। इस हादसे में अब तक कई लोगों की मृत्यु की पुष्टि हो चुकी है। जीवित बचे पर्यटकों और प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया है कि क्रूज स्टाफ ने यात्रियों को लाइफ जैकेट उपलब्ध नहीं कराए थे। कुछ यात्रियों ने स्वयं ही जैकेट ढूंढकर पहने, जबकि अधिकांश के पास यह सुरक्षा कवच नहीं था।मौसम की चेतावनी की भी अनदेखी की गई है। मौसम विज्ञान विभाग ने क्षेत्र में 40-50 किमी/ घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का 'येलो अलर्ट' जारी किया था। इसके बावजूद, पर्यटन विभाग के इस क्रूज को पानी में उतरने की अनुमति कैसे दे गई। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने 2023 में पेयजल स्रोतों और नर्मदा से जुड़े बांधों में डीजल चालित मोटर नौकाओं के संचालन पर रोक लगाई थी। इसके बावजूद, बरगी बांध में पर्यावरणीय कानूनों का उल्लंघन कर इस मोटराइज्ड क्रूज का संचालन किया जा रहा था। घटना स्थल पर रेस्क्यू के कोई इंतजाम नहीं थे। अन्य पर्यटन केंद्रों में भी यही स्थिति है।जबलपुर क्षेत्र में यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी जबलपुर के भेड़ाघाट में पर्यटकों की नाव अनियंत्रित होकर पलटने की घटनाएं सामने आती रही हैं। इन हादसों के बाद प्रशासन अक्सर प्रदेशभर में सुरक्षा आडिट और लाइफ जैकेट की अनिवार्यता के निर्देश जारी करता है, लेकिन जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन में कमी इन त्रासदियों का मुख्य कारण बनती जा रही है। वाटरफाल से जुड़े हादसों में प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने गए पर्यटकों के साथ कई बार नदी के अचानक जलस्तर बढ़ने या सेल्फी लेने के दौरान हादसे हुए हैं। प्रदेश में ऐसा कई हादसे हुए हैं। जिसमें ताजा जबलपुर क्रूज हादसा 30 अप्रैल 2026। पातालपानी हादसा 2011 पातालपानी वाटरफाल में पिकनिक मना रहे एक ही परिवार के पांच लोग अचानक आए फ्लैश फ्लड (तेज बहाव) में बह गए थे। सुलतानगढ़ वाटरफाल 2018- स्वतंत्रता दिवस के दिन अचानक पानी बढ़ने से नौ लोग बह गए थे। बृहस्पति कुंड 2025-पन्ना वाटरफाल में नहाते समय तीन किशोरों की डूबने से मौत हो गई थी। हाथीनाला-बिल्धा वाटरफाल 2025-जबलपुर के तीन छात्रों की डूबने से जान गई। जोगी भड़क वाटरफाल 2025-धार जिले में एक 22 वर्षीय छात्रा ट्रेकिंग के दौरान 600 फीट गहरी खाई में गिर गई थी। ऐसा हादसों के बाद भी प्रशासनिक लापरवाही और सुरक्षा इंतजामों की कमी के कारण ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं।

लोक के प्रति कब जवाबदेह बनेगी नौकरशाही

सरदार पटेल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा को 'स्टील फेम' बताया था। संविधान सभा में प्रशासनिक सेवा पर बहस के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए मजबूत और तटस्थ नौकरशाही पर जोर दिया था। हालांकि अंग्रेजों के नौकरशाह रह चुके एचवी कामथ को चिंता थी कि वैधानिक सुरक्षा नौकरशाही को गैरजवाबदेह और असल 'शासक' बना सकती है। एक अप्रैल को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल के मालदा की घटना में नौकरशाही ने जैसा रूख अख्तियार किया है, उसे देख लगता है कि पटेल के भरोसे की तुलना में एचवी कामथ की चिंता समय की शिला पर सटीक साबित हुई है। मालदा में पूरे नौ घंटे तक सात न्यायिक अधिकारियों को सियासी कार्यकर्ता के मुखौटे वाले अपराधियों ने बंधक बनाए रखा। उस दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी मुख्य सचिव से संपर्क करने में नाकाम रहे।

(उमेश चतुर्वेदी)

देश को अपने लोकतंत्र पर गर्व है, लेकिन इस व्यवस्था में राजनीतिक तंत्र के साथ ही प्रशासनिक और पुलिस अफसर लगातार मजबूत हुए हैं। अंग्रेज सरकार ने इंडियन सिविल सेवा यानी आईसीएस का गठन अपने राजकाज को मजबूत करने के लिए किया था। इसलिए शुरूआती दौर में इसमें गोरे लोगों को ही तवज्जो मिली।

सरदार पटेल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा को 'स्टील फ्रेम' बताया था। संविधान सभा में प्रशासनिक सेवा पर बहस के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए मजबूत और तटस्थ नौकरशाही पर जोर दिया था। हालांकि अंग्रेजों के नौकरशाह रह चुके एचवी कामथ को चिंता थी कि वैधानिक सुरक्षा नौकरशाही को गैरजवाबदेह और असल 'शासक' बना सकती है। एक अप्रैल को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल के मालदा की घटना में नौकरशाही ने जैसा रूख अख्तियार किया है, उसे देख लगता है कि पटेल के भरोसे की तुलना में एचवी कामथ की चिंता समय की शिला पर सटीक साबित हुई है। मालदा में पूरे नौ घंटे तक सात न्यायिक अधिकारियों को सियासी कार्यकर्ता के मुखौटे वाले अपराधियों ने बंधक बनाए रखा। उस दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी मुख्य सचिव से संपर्क करने में नाकाम रहे। दिलचस्प यह है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य सचिव से जवाब-तलब किया तो उन्होंने माफी मांग कर काम चला लिया। उम्मीद थी कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में शीर्ष अधिकारियों को सबक सिखाने से पीछे नहीं रहेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह माफी से ही संतुष्ट हो गया।

देश को अपने लोकतंत्र पर गर्व है, लेकिन इस व्यवस्था में राजनीतिक तंत्र के साथ ही प्रशासनिक और पुलिस अफसर लगातार मजबूत हुए हैं। अंग्रेज सरकार ने इंडियन सिविल सेवा यानी आईसीएस का गठन अपने राजकाज को मजबूत करने के लिए किया था। इसलिए शुरूआती दौर में इसमें गोरे लोगों को ही तवज्जो मिली। अंग्रेज सरकार भारतीयों को गुलाम मानती थी, लिहाजा उसके अफसर भी भारतीयों से उसी अंदाज में पेश आते थे। आजादी के बाद नौकरशाही के इस चरित्र को बदलने की कोशिश के तहत तटस्थ ब्यूरोक्रेसी के रूप में आईएएस कैडर बनाया गया। गांधी मानते थे कि आधुनिक राज व्यवस्था और नौकरशाही में हिंसा का वर्चस्व है। गांधी जी ट्रस्टीशिप के सिद्धांत के अनुसार प्रशासनिक या आर्थिक रूप से ताकतवर लोगों से उम्मीद करते थे कि वे संसाधनों के स्वामी नहीं, बल्कि रक्षक की तरह व्यवहार करें। इसी अंदाज में नौकरशाही को सेवक बनाने की कोशिश हुई। लेकिन क्या नौकराशाह सेवक बन पाए? वे सिर्फ उन राजनीतिक आकाओं के ही सेवक बन पाए हैं, जो ताकतवर हैं और जिनसे उन्हें भविष्य में मलाईदार पदों और ताकत की उम्मीद है। यही वजह है कि आजादी के 79 साल बाद भी नौकरशाही का ज्यादातर हिस्सा सामंती मानसिकता से ही प्रभावित नजर आता है। जनता को वह अपनी रियाया मानता है। लोक से सामंतों जैसा व्यवहार करने में ही उसे हेठी नजर आती है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव दुष्यंत नरियाला का कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का फोन नहीं उठाना इसी सोच का प्रतीक है। यह उस आशंका का भी जीवंत उदाहरण है, जो

एचवी कामथ को परेशान कर रही थी। दिलचस्प यह है कि दुष्यंत नरियाला को 16 मार्च को ही चुनाव आयोग ने नंदिनी चक्रवर्ती की जगह नया मुख्य सचिव बनाया था, ताकि वे निष्पक्ष चुनाव करा सकें। नरियाला के व्यवहार से साफ है कि न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में उनका रवैया तटस्थ नौकरशाह की बजाय राज्य की मौजूदा सत्ता के इशारे पर ही काम करने वाले जैसा रहा। लोकतंत्र, लोक यानी आम लोगों का तंत्र है। लेकिन हकीकत में यह राजनीतिक दलों का तंत्र है और इस तंत्र में लोक की भूमिका महज वोट देने तक ही सीमित है। इस तंत्र में नौकरशाही की जवाबदेही राजनीति के हर अच्छे-बुरे कामों में साथ देने और कई बार उसका कहार बनने तक सीमित रह गई है। सरदार पटेल जब इस तंत्र को स्टील फ्रेम कह रहे थे, तो उनका आशय यह था कि भावी नौकरशाही आम लोगों की भलाई और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। पटेल को उम्मीद रही होगी कि नौकरशाह लोक के प्रति जब जवाबदेह होंगे, तब ऐश्वर्य पर उनकी निगाह कम होगी। लेकिन इसके ठीक उलट हो रहा है। नौकरशाही के बड़े हिस्से को अपनी मूल भूमिका की चिंता नहीं सताती। उसकी पूरी कोशिश खुद और खुद के कैडर को मजूबत करने और ज्यादा सुविधाएं जुटाने पर केंद्रित रहती है। ज्यादातर नौकरशाहों के लिए आमजन ठीक वैसी ही प्रजा हैं, जिस तरह अंग्रेजों के थे। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव का व्यवहार इसी सोच का उदाहरण है।

जब कोई आईएएस किसी फरियादी की बात सुनने के लिए जमीन पर बैठ जाता है, या ऐसा ही सामान्य कदम उठाता है तो वह घटना खबर बन जाती है। इसकी वजह यही है कि अफसरों से ऐसे व्यवहार की उम्मीद ही नहीं होती। जनमानस की सोच ऐसी है तो यह मान लेना चाहिए कि पटेल की सोच के मुताबिक नौकरशाही विकसित नहीं हुई, बल्कि एचवी कामथ जैसे लोगों की आशंका ही सही साबित हुई है। नौकरशाही में जब भी किसी का चयन होता है, उसके पड़ोसी और रिश्तेदार तक मान लेते हैं कि कुछ ही दिनों में उसकी कई पुश्तों का इंतजाम हो जाएगा। ज्यादातर ऐसा होता भी है। मध्य प्रदेश जैसे कुछ राज्यों ने लोकपाल की व्यवस्था कर रखी है। वहां आए दिन जिस तरह अधिकारियों के घरों से नोटों की गड्डियां निकलती हैं, उनकी संपत्ति के ब्यौरे सामने आते हैं, उससे पता चलता है कि अफसर बनना जमींदारी हासिल करने से भी ज्यादा फायदेमंद है। ऐसे अफसरों पर कड़ी कार्रवाइयां नजीर बननी चाहिए, लेकिन ऐसा होता नहीं दिखता। अफसरशाही का बड़ा हिस्सा अब भी तंत्र के दोहन की प्रक्रिया में शिद्दत से शामिल है। हाल ही में बिहार के एक सब डिविजनल पुलिस अफसर के बारे में समाचार आया कि उनकी नौकरानी भी थार से चलती है। ऐसा नहीं कि नौकरशाही में ईमानदार लोग नहीं हैं। अशोक खेमका और संजीव चतुर्वेदी इसके उदाहरण हैं। लेकिन उन्हें ना तो नौकरशाही चैन से बैठने देती है और ना ही राजनीतिक आका।

नौकरशाही को तटस्थ और ईमानदार बनाए रखने के लिए पचासों कमेटियां बन चुकी हैं, दो प्रशासनिक सुधार आयोग बन चुके हैं। पहले आयोग के अध्यक्ष तत्कालीन वित्त मंत्री मोरारजी देसाई थे तो दूसरे के कांग्रेसी नेता वीरप्पा मोइली। जान लेना चाहिए कि स्वाधीनता संग्राम में कूदने से पहले मोरार जी भी सिविल सेवा के अधिकारी थे। दोनों आयोगों ने कई सुझाव दिए, कुछ लागू भी हुए। लेकिन असल में नौकरशाही का चरित्र नहीं बदल पाया। वह लोकतांत्रिक नहीं हो पाई।

आपातकाल के दिनों में जयप्रकाश नारायण ने नौकरशाही और पुलिस अफसरों से अपील की थी कि सरकार के असंवैधानिक आदेशों को वे न मानें। तब जेपी को अराजकतावादी कहा गया। हालांकि राजनीतिक व्यवस्था ऐसी है कि नौकरशाही के लिए राजनीति की बात टालना संभव नहीं हैं। एच वी अयंगार जैसे कुछ ही नौकरशाह होते हैं, जो सही बात कह सकते हैं और अपने राजनीतिक आका से अलग राय रख सकते हैं। राज्यों के गठन के पीछे भाषा को आधार बनाने के तत्कालीन गृह सचिव अयंगार विरोधी थे और उन्होंने अपने मंत्री सरदार पटेल के सामने उसे खुलकर रखा भी था। वैसे आज की राजनीति में पटेल जैसा हृदय रखने वाले लोग भी कम हैं। अव्वल तो आज की नौकरशाही नाफरमानी की हिम्मत ही नहीं करती और अगर ऐसी कोशिश करती भी है तो उसे ही किनारे लगा दिया जाता है। इसी वजह से माना जा रहा है कि दुष्यंत नरियाला फिलहाल भले ही अभी चुनाव आयोग को रिपोर्ट कर रहे हों, वे अपने राजनीतिक आका के ही प्रभाव में हैं।

नौकरशाही अगर लोकतांत्रिक और तटस्थ नहीं बन पाई है तो इसके पीछे उसके प्रशिक्षण और चयन में भी खामी मानी जाती है। वैसे समाज भी रोजाना अफसरों की बेरूखी से दो-चार होता रहता है, इसके बावजूद जब भी यूपीएससी या पीसीएस के नतीजे आते हैं, चयनित अफसरों पर वह लहालोट हो जाता है। समाज का लहालोट होना भी कई बार नौकरशाही को राजा की तरह व्यवहार करने को प्रेरित करता है। इसी लिए कोई दुष्यंत नरियाला कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के फोन को भी नजरंदाज कर देता है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर इस रवायत को बदलेगा कौन? जिस राजनीति पर इसकी जवाबदेही है, उसे अपने कार्यकर्ताओं की बनिस्बत नौकरशाही पर भरोसा ज्यादा है। लोक तो उससे प्रताड़ित होने के बावजूद उसी पर लहालोट है। इसलिए जरूरी है कि नौकरशाही को भगवान न मानने वाली सोच विकसित करने की कोशिशें हों, अन्यथा नौकरशाह राजा की तरह व्यवहार करते रहेंगे। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के 'नया चेहरा और नया नारा' से पश्चिम बंगाल में चल गई भाजपा की लहर

(कमलेश पांडे)

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में सम्राट चौधरी भाजपा के एक प्रमुख स्टार प्रचारक और 'मिशन बंगाल' के आगे बढ़े चेहरे के रूप में उभर रहे हैं। उनकी भूमिका मुख्यतः तीन तरह की है- नारा निर्माता, बिहारी बंगाल जुड़ाव बनाने वाला चेहरा, और ममता सरकार की आलोचना के लिए उग्र आवाज़।

बिहार में नए मुख्यमंत्री पद पर सम्राट चौधरी के चयन ने भाजपा को एक 'नया चेहरा और नया नारा' दिया है, जिसे पार्टी पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों में केंद्र में लेकर चल रही है। इसी वजह से बिहार के नए प्रमुख चेहरे के इस चयन से बंगाल में भी भाजपा की 'लहर की बात' तेज़ी से चलने लगी है। चूंकि बिहार में सम्राट चौधरी का महत्व निर्द्वन्द है, इसलिए पश्चिम बंगाल के लोगों में भाजपा के प्रति विश्वास और गहरा हुआ। उल्लेखनीय है कि बिहार में नीतीश कुमार के बाद भाजपा ने पहली बार अपने प्रत्यक्ष नेता को मुख्यमंत्री बनाकर संकेत दिया है कि पार्टी अब 'एनडीए के नेतृत्व' को भी भाजपा के नाम से बेचेगी।

बता दें कि तारापुर की सियासत को लोककल्याण कारी दिशा देने वाले पूर्व स्वास्थ्य मंत्री शकुनि चौधरी के यशस्वी पुत्र सम्राट चौधरी कुशवाहा (कोईरी/ओबीसी) समाज से हैं; लेकिन सवर्णों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। तारापुर से परवत्ता के लोग इसकी गवाही देते हैं। इससे भाजपा ने बिहार के लव कुश (कुर्मी-कुशवाहा) समीकरण को अपने पक्ष में खींचने की कोशिश की है, जो राज्य की 50-60 सीटों पर असर डालता माना जाता है। साथ ही पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी की तरह कोई भी बड़ा सवर्ण नेता व्यक्तिगत रूप से इनका विरोधी नहीं हो सकता है। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की पूर्वी भारत की राजनीति को असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वशर्मा से भी बड़ा चेहरा बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के रूप में मिल गया है, जिन्हें दिल्ली में भाजपा की लहर चलवाने और यूपी में भाजपा को मजबूत बनवाने के नजरिए से आगे बढ़ाया गया है। इसके पीछे बिहार के नौकरशाही की फीडबैक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, क्योंकि उनकी राजनीतिक छवि बेदाग है, इस मीडिया और राजनीतिक प्रायोजित मामलों को छोड़ दिया जाए तो।

समझिए, पश्चिम बंगाल में कैसे बनी 'लहर'- सम्राट चौधरी अपने उपमुख्यमंत्री पद के बाद पश्चिम बंगाल में भी भाजपा के प्रमुख प्रचारक के रूप में सक्रिय हुए हैं; उन्होंने बंगाल के चुनावी दौर में बार बार दावा किया है कि बंगाल में लोग 'बदलाव' के लिए तैयार हैं और भाजपा की सरकार बनेगी। चौधरी ने बर्बरता, घुसपैठ, रोज़गार और 'सोनार बंगाल' की वापसी जैसे मुद्दे उठाकर बिहार मॉडल के नाम पर एक नयी राजनीतिक कहानी बंगाल में बेचनी शुरू की है; इससे भाजपा को एक नया नारा और एक नया चेहरा मिल गया है, जिसे मीडिया व जनता ने 'लहर' की तरह पेश किया है।

खास रणनीतिक तालमेल - बिहार में ओबीसी केंद्रित और सवर्ण, दलित, अल्पसंख्यक समर्थित मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के उभार के बाद भाजपा तर्क दे रही है कि अब यह गैर संस्कृतिक (संयुक्त तरह के राष्ट्रवादी ओबीसी) चेहरा बंगाल में भी विपक्षी भावनाओं को एकजुट कर सकता है। दोनों राज्यों में भाजपा एक ही नारा बेच रही है- पुरानी सत्ता संरचना का अंत और नई नेतृत्व पीढ़ी की शुरुआत; इसी जोड़ को देखते हुए बिहार में सम्राट के चयन को पश्चिम बंगाल में भाजपा की 'लहर' का तर्क प्रतीक माना जा रहा है।

सम्राट चौधरी भाजपा के एक प्रमुख स्टार प्रचारक के रूप में उभरे- पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में सम्राट चौधरी भाजपा के एक प्रमुख स्टार प्रचारक और 'मिशन बंगाल' के आगे बढ़े चेहरे के रूप में उभर रहे हैं। उनकी भूमिका मुख्यतः तीन तरह की है-नारा निर्माता, बिहारी बंगाल जुड़ाव बनाने वाला चेहरा, और ममता सरकार की आलोचना के लिए उग्र आवाज़। उन्हें स्टार प्रचारक के रूप में जिम्मेदारी मिली, क्योंकि भाजपा ने पश्चिम बंगाल के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है, जिसमें बिहार से सम्राट चौधरी को विशेष प्राथमिकता दी गई है; वे बिहार के उन चुनिंदा नेताओं में हैं जिन्हें बंगाल में बड़ा चुनावी जिम्मा सौंपा गया है। उन्हें बंगाल के कई चरणों में रैलियों और चुनावी सभाओं के लिए तैयार किया गया है, खासकर 23 व 29 अप्रैल के चरणों में जहां भाजपा जीत सुनिश्चित करने की तैयारी कर रही है।

बिहार-बंगाल कनेक्शन को भुनाना- बिहार के उपमुख्यमंत्री होने के नाते चौधरी बिहार मूल के मतदाताओं (खासकर हावड़ा और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले मजदूर, व्यापारी, कामगार) को निशाना बना रहे हैं, जहां बिहारी समुदाय की संख्या अधिक मानी जाती है। वे बिहार में 'नौकरी वाला मॉडल' (लगभग 50 लाख लोगों को नौकरी/रोज़गार के अवसर) का उदाहरण देकर यह वादा कर रहे हैं कि बंगाल में भी वही तरह का रोज़गार आधारित विकास 'सोनार बंगाल' के नाम से लाया जाएगा।

नारा और विचारधारा संबंधी भूमिका- सम्राट चौधरी ने घुसपैठ, एनआरसी, बंगाली अस्मिता और 'हिंदू उत्पीड़न' जैसे मुद्दों पर खुले आरोप लगाए हैं और कहा है कि भाजपा सत्ता में आकर घुसपैठियों को बाहर करेगी और बंगाली पहचान को फिर से स्थापित करेगी। वे ममता बनर्जी सरकार को 'अराजक, हिन्दू विरोधी और घुसपैठियों की हिमायती' कहकर जनता में बदलाव की भावना जगाने की कोशिश कर रहे हैं, और बार बार दावा कर रहे हैं कि इस बार बंगाल में भाजपा की ही सरकार बनेगी।

विजय पथ तक पहुँचने के लिए पश्चिम बंगाल में धर्म पथ पर खूब चले मोदी और शाह

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के लिए जी-तोड़ मेहनत करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जमकर चुनाव प्रचार तो किया ही साथ ही पूजा पाठ में भी कोई कमी नहीं छोड़ी। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान वाले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी में बाबा श्री काशी विश्वनाथ का पूजन कर रहे थे। जबकि मतदान से एक दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात में भगवान श्री सोमनाथ का पूजन किया। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगा में जाकर मिलने वाली हुगली नदी में नौका यात्रा और पूजन किया तो वहीं अमित शाह ने हुगली नदी और बंगाल की खाड़ी के पवित्र संगम पर स्थित गंगासागर का दर्शन और पूजन किया।

(नीरज कुमार दुबे)

पश्चिम बंगाल में धार्मिक यात्राओं के माध्यम से भाजपा ने बंगाल की सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक जड़ों से जुड़ने का प्रयास किया, ताकि खुद को बाहरी पार्टी की बजाय एक संवेदनशील और जुड़ी हुई शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया जा सके।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के लिए जी-तोड़ मेहनत करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जमकर चुनाव प्रचार तो किया ही साथ ही पूजा पाठ में भी कोई कमी नहीं छोड़ी। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान वाले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी में बाबा श्री काशी विश्वनाथ का पूजन कर रहे थे। जबकि मतदान से एक दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात में भगवान श्री सोमनाथ का पूजन किया। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगा में जाकर मिलने वाली हुगली नदी में नौका यात्रा और पूजन किया तो वहीं अमित शाह ने हुगली नदी और बंगाल की खाड़ी के पवित्र संगम पर स्थित गंगासागर का दर्शन और पूजन किया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मतुआ समुदाय के मुख्य मंदिर ठाकुरबाड़ी और राजधानी कोलकाता के ऐतिहासिक ठनठनिया काली मंदिर में पूजा-अर्चना की तो अमित शाह ने कपिल मुनि आश्रम में महर्षि कपिल का पूजन कर देशवासियों के कल्याण की कामना की।

बंगाल में मतदान वाले दिन प्रधानमंत्री का श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करने का अधिक महत्व इसलिए है क्योंकि काशी (वाराणसी) को बंगालियों का दूसरा घर या सांस्कृतिक रूप से बंगाल के बहुत करीब माना जाता है। सदियों से बंगाली तीर्थयात्री, विद्वान और साधु-संत काशी आते रहे हैं, साथ ही कई बंगाली जमींदारों और राजाओं ने काशी में घाटों और मंदिरों का निर्माण करवाया। यही नहीं, वाराणसी में दशाश्वमेध घाट के पास स्थित बंगाली टोला क्षेत्र में बंगाली समुदाय की घनी आबादी है, जहाँ बंगाली संस्कृति, भाषा और खान-पान का गहरा असर देखने को मिलता है। वहीं गुजरात के श्री सोमनाथ में त्रिवेणी संगम (कपिला, हिरन और सरस्वती) के पास चंद्रभागा शक्तिपीठ स्थित है, जो बंगाली भक्तों के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री मोदी की ओर से हुगली नदी पर किये गये नौका विहार का भी खास महत्व है। हुगली को आदि गंगा के रूप में पूजा जाता है। बंगाल के लोगों के लिए हुगली का महत्व वैसा ही है जैसा उत्तर भारत में गंगा का है। नरेंद्र मोदी ने 2014 में जब लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए वाराणसी को चुना था तो उन्होंने सबसे पहले यही कहा था कि मुझे तो माँ गंगा ने बुलाया है। इसी तरह खुद को गंगापुत्र कहने वाले प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल चुनावों के बीच हुगली को मां गंगा कहकर संबोधित किया और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इससे उन्होंने अपनी छवि को बंगाल की धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं के साथ जोड़ा। प्रधानमंत्री ने हुगली के किनारे समय बिताकर और बेलूर मठ जैसे आध्यात्मिक केंद्रों की यात्रा कर यह दिखाने की कोशिश भी की कि उनकी पार्टी बंगाल की जड़ों और विरासत का सम्मान करती है।

वहीं अमित शाह की गंगा सागर यात्रा भी काफी प्रभावशाली रही। सदियों से यह कहा जाता रहा है कि सब तीर्थ बार बार, गंगा सागर एक बार। अमित शाह ने इस यात्रा के जरिए भाजपा को बंगाल की जड़ों से जोड़ा। ऐतिहासिक कपिल मुनि आश्रम में पूजा-अर्चना कर उन्होंने बंगाली धार्मिक भावनाओं का सम्मान किया। उन्होंने गंगा को गंगोत्री से लेकर गंगा सागर तक भारत को जोड़ने वाली एक आध्यात्मिक कड़ी बताया, जिससे भाजपा ने यह संदेश दिया कि बंगाल की संस्कृति पूरे भारत के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। साथ ही अमित शाह ने गंगा सागर में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देकर धर्म और राष्ट्रवाद को एक साथ जोड़ा, जो भाजपा की चुनावी रणनीति का मुख्य आधार रहा है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य की राजधानी कोलकाता के ऐतिहासिक ठनठनिया काली मंदिर में पूजा-अर्चना कर भी बड़ा संदेश दिया। उत्तरी कोलकाता की प्रमुख उत्तर-दक्षिण सड़क बिधान सरानी पर स्थित, ठनठनिया काली मंदिर की स्थापना 1703 में उदय नारायण ब्रह्मचारी ने उस भूमि पर की थी, जहां उस समय श्मशान घाट हुआ करता था। इस मंदिर में मां सिद्धेश्वरी की पूजा की जाती है। यहाँ की एक विशिष्ट परंपरा मांसाहारी प्रसाद चढ़ाने की है। इस मंदिर में पूजा कर प्रधानमंत्री ने यह संदेश दिया कि भाजपा बंगाल की विविध खान-पान और धार्मिक परंपराओं को स्वीकार करती है और उनका सम्मान करती है, जिससे विरोधियों के शाकाहारी थोपने के आरोपों का जवाब दिया गया। साथ ही यह मंदिर रामकृष्ण परमहंस से भी जुड़ा है, जो यहाँ अक्सर भजन गाने आते थे। इस यात्रा के जरिए भाजपा ने खुद को बंगाल के पुनर्जागरण और आध्यात्मिक महापुरुषों की विरासत से भी जोड़ा।

वहीं उत्तर 24 परगना जिले के ठाकुरनगर में मतुआ महासंघ के मुख्य मंदिर ठाकुरबाड़ी में दर्शन कर प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल के दलित (नामशुद्र) समाज के प्रति सम्मान व्यक्त किया। पीएम मोदी ने 2021 में बांग्लादेश स्थित मतुआ समुदाय के जन्मस्थान ओराकांडी की भी यात्रा की थी। ठाकुरबाड़ी की वर्तमान यात्रा उस निरंतरता को दर्शाती है। मतुआ मतदाता कम से कम 34 विधानसभा सीटों और बांग्लादेश सीमा के करीब स्थित दो दर्जन अन्य सीटों को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं। उल्लेखनीय है कि हरिचंद ठाकुर द्वारा 19वीं शताब्दी में स्थापित मतुआ महासंघ एक सामाजिक-धार्मिक आंदोलन है, जिसने ऐतिहासिक रूप से शिक्षा और सामाजिक सुधार के माध्यम से नामशुद्र समुदाय के उत्थान के लिए काम किया है।

बहरहाल, पश्चिम बंगाल चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की ये धार्मिक यात्राएं केवल व्यक्तिगत आस्था तक सीमित नहीं थीं, बल्कि वे एक व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा थीं। इन यात्राओं के माध्यम से भाजपा ने बंगाल की सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक जड़ों से जुड़ने का प्रयास किया, ताकि खुद को बाहरी पार्टी की बजाय एक संवेदनशील और जुड़ी हुई शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। आस्था, संस्कृति और राजनीति के इस संगम ने यह स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक भारतीय चुनावों में प्रतीकवाद और भावनात्मक जुड़ाव उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने विकास और नीतिगत मुद्दे। यह लेखक के अपने विचार है)

संक्षिप्त समाचार

वर्ल्ड अस्थमा डे 2026: डेली कंट्रोलर ट्रीटमेंट, सिर्फ़आराम नहीं, अस्थमा में बेहतर नतीजों का सहारा है

रायपुर: इस वर्ल्ड अस्थमा डे 2026 पर जब GINA (ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर अस्थमा यानी अस्थमा के लिए वैश्विक पहल) एंटी-इंफ्लेमेटरी इनहेल्ड ट्रीटमेंट तक पहुंच की ज़रूरत पर ध्यान दिला रहा है,1 विशेषज्ञों ने भारत में अस्थमा केयर में एक बड़ा अंतर बताया है। सिप्ला की 'बेरोक ज़िंदगी' और 'टफ़ीज़' जैसी पहल समय पर और सही देखभाल पाने के तरीकों को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता फैलाने की कोशिशों को आगे बढ़ा रही हैं।

उपलब्ध इलाज और वास्तविक व्यवहार के बीच के अंतर पर ज़ोर देते हुए डॉ. दीपेश मास्की, सलाहकार पल्मोनोलॉजिस्ट ने कहा : वास्तविकता में, अस्थमा का इलाज अक्सर लक्षणों से राहत दिलाने पर केंद्रित होता है, कई मरीज़ इनहेलर का इस्तेमाल तभी करते हैं जब लक्षण होते हैं। ओवर-द-काउंटर ऑप्शन सहित, जल्दी आराम देने वाले इनहेलर की बड़े पैमाने पर उपलब्धता और बार-बार इस्तेमाल, इस पैटर्न में योगदान देता है, जिसका शहरी और ग्रामीण दोनों जगहों पर ज़्यादा इस्तेमाल देखा गया है। इनमें बाल मरीज़ शामिल हैं। माता-पिता और किशोरों के बीच, इनहेलर को लेकर चिंता इस बात पर भी असर डाल सकती है कि इलाज कितना नियमित है, जिसके नतीजे में कंट्रोलर थेरेपी का सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल नहीं हो पाता है। ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर अस्थमा (GINA) की गाइडेंस में कॉम्बिनेशन एंटी-इंफ्लेमेटरी इनहेलर की सलाह दी गई है, जो एक ही इनहेलर में आराम और मेंटेनेंस दोनों देता है। यह तरीका इलाज को आसान बनाता है। एक ही इनहेलर इस्तेमाल करते समय फ्लेक्सिबिलिटी देता है और बेहतर तरीके से पालन करने में मदद करता है। इससे बीमारी पर नियंत्रण होता है और जीवन की क्वालिटी बेहतर होती है।

एड-ए-मम्मा (Ed-a-Mamma) ने रायपुर के 'ज़ोरा द मॉल' में अपना पहलास्टोर खोला

रायपुर: बच्चों के लिए सस्टेनेबल कपड़ों और लाइफ़स्टाइल उत्पादों का ब्रांडएड-ए-मम्मा (Ed-a-Mamma) ने रायपुर के ज़ोरा द मॉल में अपना पहला एक्सक्लूसिवब्रांड आउटलेट (EBO) लॉन्च किया है। यह लॉन्च ब्रांड के रिटेल विस्तार की दिशा में एकमहत्वपूर्ण कदम है, जिससे उभरते उपभोक्ता बाजारों, खासकर टियर-2 शहरों में इसकीमौजूदगी और मजबूत होगी। उद्यमी और अभिनेत्री आलिया भट्ट द्वारा स्थापित, एड-ए-मम्मा (Ed-a-Mamma) अबपरिवारों के लिए एक विचारशील लाइफ़स्टाइल ब्रांड के रूप में विकसित हो चुका है।बच्चों के लिए सस्टेनेबल कपड़ों से शुरू हुआ यह ब्रांड अब मैटरनिटी वियर, खिलौनों, किताबों, एक्सेसरीज और हाल ही में लॉन्च की गई बेबी केयर कैटेगरी तक विस्तार करचुका है। यह पूरी तरह 'नेचर-फर्स्ट' सोच पर आधारित है, जो कम उम्र से ही जागरूक औरजिम्मेदार जीवनशैली को बढ़ावा देता है। रायपुर में नया स्टोर ग्राहकों के लिए ब्रांड तक पहुंच को आसान बनाता है और कंपनी कीव्यापक रणनीति को आगे बढ़ाता है। ऑफ़्लाइन रिटेल ब्रांड डिस्कवरी, ग्राहकों के साथगहरा जुड़ाव और दोबारा खरीदारी को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाता है, चाहे वहऑफ़लाइन हो या ऑनलाइन। प्राकृतिक स्रोतों से बनी सामग्री और सौम्य डिजाइन केसाथ, एड-ए-मम्मा ऐसे उत्पाद तैयार करता है जो सुरक्षित, सोच-समझकर बनाए गए औरपर्यावरण के अनुकूल हैं।

सुशासन तिहार

सोंठी समाधान शिविर में 66 आवेदनों का मौके पर निराकरण

■ हितग्राहियों को मिली विभिन्न योजनाओं की सौगात बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने लिया शिविर का लाभ

बिलासपुर। मस्तुरी विकासखंड के शासकीय हाई स्कूल प्रांगण सोंठी में आयोजित समाधान शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुल 144 आवेदनों में से 66 प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया। शेष आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित विभागों को समयसीमा निर्धारित की गई। शिविर का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा आमजनों को शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया समझाई गई। साथ ही, विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित करते हुए चेक, स्वीकृति आदेश एवं आवश्यक दस्तावेज वितरित किए गए। शिविर में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती सोनवानी, जनपद सदस्य श्रीमती लक्ष्मीन पोर्ते, सरपंच सोंठी श्रीमती नीमा वस्त्रकार, एसडीएम श्री शिवकुमार कंवर, सीईओ मस्तुरी श्री जे.आर. भगत भी शामिल हुए। शिविर में महिला बाल विकास विभाग द्वारा 5 छात्रों काव्या, इशिका, स्मृति, हितेश और अंश को 6 वर्ष पूर्ण कर शाला प्रवेश करने पर प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत तीन हितग्राहियों के खाते भी खोले गए। बैंक लिंकेज के माध्यम से ग्रामीण बैंक द्वारा समूह को 1.5 लाख से 4 लाख तक का सेंक्शन लेटर प्रदान किया गया। राजस्व

विभाग द्वारा ग्राम जेवरा के विकेश कुमार को जाति प्रमाण पत्र, सोंठी के ललित सिंह नेटी एवं पायल नेटी, ग्राम पीपरानार के अरूण कुमार नेटी, पलक नेटी, पल्लवी नेटी एवं मड़ई के सौरभ कुमार टेंगवार को आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र दिये गये। साथ ही ग्राम मड़ई के किसान श्री रामनारायण टेंगवार को ऋण पुस्तिका की द्वितीय प्रति दिया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत ग्राम सोंठी के हितग्राही जीरा बाई, रामकली एवं संतोषी महंत को आवास पूर्णता प्रमाण पत्र एवं 15 ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। शिविर में निरतू की रोशनी, खम्हरिया की उत्तरा कंवर एवं उनी की सुषमा और चन्द्रप्रकाश को जाति प्रमाण पत्र दिया गया। शिविर में मस्तुरी विकासखण्ड अंतर्गत सोंठी, जेवरा, खोंधरा, निरतु, बसहा, उडागीं, कुकदा, कुली, उनी, बिटकुला, मड़ई, खम्हरिया, जुहली और लुतरा के ग्रामीण शामिल हुए। इस दौरान श्री राज्यवर्धन कौशिक, श्रीमती नंदनी साहू, श्री दीपक शर्मा, श्री अभिलेष यादव, श्रीमती बबीता पाटनवार, श्री घनश्याम सिंह ठाकुर, श्री नागेश्वर सिंह ठाकुर, श्री रामफल धीवर, श्री मदन पाटनवार, श्री धनसाय जगत, श्री हथेश्वर सिंह ठाकुर, श्री नारायण साहू, श्री मूलचंद पटेल, श्री फिरत अनंत, श्री टीकाराम चंद्राकर, श्री कांशीराम जायसवाल, श्री बलराम पाटनवार, श्री कुलेश्वर पाटनवार एवं श्रीमती गीता सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

अब घर बैठे मिलेगा नया बिजली कनेक्शन

■ उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा प्रदान करने विभाग की नई पहल - ईडी अम्बस्थ

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं के लिए नई सौगात दी गई है। बिजली विभाग ने नया कनेक्शन लेने के लिए बार-बार दफ्तर जाने से मुक्ति दिलाने हेतु ऑनलाईन पंजीकरण प्रक्रिया को पूरी तरह से सुगम बना दिया है। अब घर बैठे ही कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप के माध्यम से नए बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया जा सकता है। इस पहल का उद्देश्य प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा सरलता लाना है। डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने उपभोक्ताओं की सेवा में विस्तार करते हुये दिनांक 1 अप्रैल 2026 से नवीन विद्युत कनेक्शनों के आवेदन प्रक्रिया को पूर्णत: ऑन लाइन करने की सुविधा प्रारंभ की है। अब लोगों को नवीन कनेक्शन हेतु विद्युत कार्यालय जाने की आवश्यकता नही होगी। नवीन कनेक्शनों के ऑन लाइन आवेदन मोर बिजली एप एवं सी.एस.सी.(कॉमन सर्विस सेंटर) में कंपनी वेबसाइट के माध्यम से भी कर सकता है। डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की वेबसाइट पर पंजीकृत ऑन लाइन नवीन कनेक्शनों के आवेदनों पर विद्युत कंपनी द्वारा आगामी कार्यवाही संपादित की जावेगी। ऐसे आवेदक जो आवेदन ऑन लाइन नहीं कर भौतिक रूप से वितरण केन्द्र/जोन/उपसंभाग कार्यालय में प्रस्तुत करते हैं , उनके आवेदनों को ऑन लाइन कनेक्शन '' वितरण केन्द्र/उपसंभाग/जोन कार्यालयों के हेल्प डेस्क हेतु '' जिम्मेदार ऑफिस स्टॉफकनिष्ठ अभियंता/सहायक अभियंता द्वारा कार्यालय के कम्प्यूटर सिस्टम में ऑन लाइन पंजीबद्ध करना होगा। आवेदन आवेदक के मोबाइल नम्बर से ही ऑनलाइन पंजीकृत किया जावेगा।

बंगाल में खिला 'कमल', असम में जीत की हैट्रिक से गदगद हुए अमर अग्रवाल

■ नगर विधायक ने जीत को बताया मोदी के सुशासन की जीत; बोले- बंगाल में खत्म हुआ दमन और गुंडागर्दी का दौर

बिलासपुर। 4 मई को घोषित हुए पांच राज्यों के चुनावी नतीजों ने देश की राजनीतिक दिशा तय कर दी है। इन परिणामों पर अपनी तीखी और उत्साहजनक प्रतिक्रिया देते हुए बिलासपुर के नगर विधायक अमर अग्रवाल ने कहा कि जनता ने एक बार फिर 'मोदी की गारंटी' को सर्वोपरि माना है। उन्होंने विशेष रूप से बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक बढ़त और असम में लगातार तीसरी बार मिली जीत को भारतीय राजनीति का टर्निंग पॉइंट बताया। विधायक अमर अग्रवाल ने बंगाल के नतीजों पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वर्षों से ममता सरकार की अराजकता, दमन और गुंडागर्दी को सह रही बंगाल की जनता ने अब भगवा को अपना लिया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस की पगडंडियों पर चलकर ममता सरकार ने जो अपराध किए, जनता ने उसका हिसाब चुकता कर दिया है। आज बंगाल भगवामय है और वहां जीत की खुशी में रसगुल्ला के साथ-साथ झालमुड़ी भी बंट रही है। अमर अग्रवाल ने असम की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि हेमंता बिस्वा सरमा की सरकार पर जनता का यह अटूट विश्वास प्रधानमंत्री मोदी के विजन की जीत है। वहीं, पुडुचेरी में भगवामयी लहर को उन्होंने बदलाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी की जनता ने मोदी जी के संकल्पों को अपना मानकर विकास के पक्ष में मतदान किया है। असम में भाजपा की लगातार तीसरी जीत और पुडुचेरी में मिली सफलता को उन्होंने प्रधानमंत्री की तपस्या का प्रतिफल बताया। अमर अग्रवाल ने कहा मोदी जी का एकमात्र विजन देश की भलाई है और आज उनके संकल्पों को सिद्ध होते देख मन गदगद है। इस दौरान उन्होंने लोकतांत्रिक गरिमा का परिचय देते हुए तमिलनाडु और केरल में विजयी दलों को भी बधाई दी।

सुलह की बात बनी खूनी वारदात, गले पर चाकू मार युवक की हत्या,3 आरोपी और 2 नाबालिग गिरफ्तार

बिलासपुर। बिलासपुर के सरकंडा थाना क्षेत्र में मामूली विवाद ने खौफनाक मोड़ लिया और सुलह के लिए पहुंचे युवकों पर ऐसा हमला हुआ कि एक की जान चली गई, घटना 2 मई 2026 की रात करीब 10:30 बजे मोपका चौक स्थित कलकत्ता स्वीट्स के सामने हुई जहां ओम प्रकाश यादव अपने साथियों अभिषेक यादव, पंकज साहू और अजय साहू के साथ पुराने विवाद को खत्म करने के इरादे से अजीत सूर्यवंशी और उसके साथियों से मिलने पहुंचा था, लेकिन बातचीत शुरू होते ही माहौल गरमाया, गाली-गलौज हुई और देखते ही देखते विवाद हिंसक झगड़े में बदल गया, इसी दौरान आशीष सूर्यवंशी पिता सुखदेव सूर्यवंशी उम्र 22 साल निवासी तोरवा रोड सुरेंद्र गैरेज के सामने किराये का मकान मोपका ने अपनी कमर में छुपाकर रखा धारदार चाकू निकाला और सीधे अभिषेक यादव के गले पर वार कर दिया, वार इतना खतरनाक था कि गला सामने से कट गया और अभिषेक मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा, वहीं ओम प्रकाश यादव को भी बेरहमी से पीटा गया जिससे उसके गले और हाथ में गंभीर चोटें आईं, घटना को अंजाम देकर

आरोपी मौके से फरार हो गए, घायल अभिषेक यादव और ओम प्रकाश यादव को उनके दोस्तों ने तत्काल अपोलो अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने अभिषेक यादव को मृत घोषित कर दिया, घटना की सूचना मिलते ही प्रार्थी अभय यादव पिता संतोष यादव उम्र 19 वर्ष निवासी गुड़ीपारा संतोषी चौक मोपका ने थाना सरकंडा में रिपोर्ट दर्ज कराई, मामला दर्ज होते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश पर तत्काल एक्शन लिया गया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) पंकज पटेल और नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाइन निमितेश सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रदीप आर्य के नेतृत्व में मोपका चौकी प्रभारी ओपी कुर्रे और विशेष टीम की संयुक्त टीम बनाई गई, पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य, मुखबिर सूचना और लगातार दबिश के जरिए कुछ ही घंटों में आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से घेराबंदी कर पकड़ लिया, गिरफ्तार आरोपियों में आशीष सूर्यवंशी, महावीर सूर्यवंशी पिता संतराम सूर्यवंशी उम्र 23 साल निवासी तोरवा रोड मोपका, रघुवीर सूर्यवंशी पिता संतराम सूर्यवंशी उम्र 26 वर्ष निवासी वही पता शामिल हैं, साथ ही इस वारदात में शामिल दो विधि से संघर्षरत बालकों को भी हिरासत में लिया गया है, पुलिस ने घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू भी बरामद कर लिया है और सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है, यह घटना साफ संकेत देती है कि छोटी-सी कहासुनी अगर समय रहते नहीं संभाली जाए तो वह पलभर में जानलेवा बन सकती है और बहरहाल सरकंडा पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने साबित कर दिया कि अपराध के बाद बच निकलना अब आसान नहीं रहा।

आईटीआई कोनी में अप्रेंटिसशिप मेला 11 मई को

बिलासपुर। आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोनी के नवीन भवन में 11 मई को सवेरे 10.30 बजे से अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जाएगा। मेले में जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं से विद्युतकार, फिटर, टर्नर, मशीनिष्ट, शीट मेटल वर्कर, मैकेनिक मोटर व्हीकल, ट्रेक्टर मैकेनिक, प्लम्बर, कोपा एवं वेल्डर के उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी अपने सभी दस्तावेजों के साथ शामिल हो सकते है।

बिटकुली और नर्मदानगर में आज सुशासन शिविर

बिलासपुर। सुशासन तिहार अंतर्गत जिले के कोटा ब्लॉक के बिटकुली में 5 मई को जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा। ग्राम बिटकुली, करवा, कुरूवार, उपका, डांडबछाली, आमागोहन, खोंगसरा, टांटीधार, मोहली, तुलुफ नवागांव सोनसाय, नगपुरा, नगोई एवं सोनपुरी के ग्रामीण इस शिविर का लाभ ले सकते है। बिलासपुर नगर निगम क्षेत्र में 5 मई को वार्ड क्रमांक 15, 16 एवं 17 के लिए वार्ड क्र. 17 के नर्मदा नगर सामुदायिक भवन में शिविर लगेगा। इन शिविरों में आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, पेंशन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, स्वास्थ्य सेवाएं तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं सहित अन्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह अभियान जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चरणबद्ध रूप से संचालित किये जा रहे है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद् चांपा, जिला जॉजगीर-चांपा (छ.ग.)
// प्रथम निविदा सूचना//

क्रमांक 459 / लो.नि.वि./न.पा./2026-27 चांपा दिनांक 05.05.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पार्षद निधि मद से सिविल कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार / निर्माताओं/अधिकृत विक्रेताओं से मैनुअल निविदा लोक निर्माण विभाग के दिनांक 01.01.2015 से प्रचलित भवन एस.ओ.आर. पर कार्य दर अनुसूची पर प्रपत्र "अ" में आमंत्रित की जाती है।
1. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 19.05.2026 सांयकाल 2:00 बजे तक। 2. निविदा प्रपत्र हेतु रसीद कटने एवं प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि 20.05.2026 सांयकाल 5:00 बजे तक।
3. निविदा स्पीड पोस्ट से जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 26.05.2026 सांयकाल 3:00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि दिनांक 26.05.2026 सांयकाल 3:30 बजे से।

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (राशि लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा प्रपत्र	समयावधि (कार्यादेश से)
1	वार्ड नं. 03 मे उमेश देवांगन घर से ओमप्रकाश देवांगन घर तक आर.सी.सी. नाली एवं सडक निर्माण कार्य एवं शंकर मंदिर के पास सड़क निर्माण कार्य।	3.00	3000.00	750.00	'अ'	02 माह

(1) उक्त निविदा एवं निर्माण कार्य के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन से 10 दिवस के भीतर सप्रमाण आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। इसके बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। (2) निर्माण कार्यो के देयको से एस.डी., परफारमेंस गारंटी, आई.टी., जी.एस.टी., रायल्टी, श्रम उपकर, ई.ई. चेकिंग की राशि रोक कर उप अभियंता के मूल्यांकन उपरांत नियमानुसार भुगतान किया जावेगा। (3) निविदा से संबंधित नियम एवं शर्ते तथा अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण शाखा एवं विभागीय वेबसाईट WWW.UAD.CG.GOV.IN मे देखा जा सकता है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् चांपा

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.)
// ईश्तहार //

क्र / Q / प्र./ तह. / 2026
रा.प्र.क्र ब-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक रामअवतार कोशले पिता स्व. ठुमुक कोशले निवासी ग्राम मोहरेंगा तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा इस न्यायालय में अपने माताजी स्व. गनेसा बाई पति स्व. ठुमुक कोशले के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है जिसका ग्राम मोहरेंगा मे मृत्यु दिनांक 24/04/2017 को निवास साकिन में होना व भूलवश ग्राम / नगर पंचायत में मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा / आपत्ति हो तो वे नियत पेशी तारीख 14/05/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर अपनी दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनाँक 10/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी ।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.)
// ईश्तहार //

क्र / Q / प्र./ तह. / 2026
रा.प्र.क्र ब-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक रामअवतार कोशले पिता स्व. ठुमुक कोशले निवासी ग्राम मोहरेंगा तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा इस न्यायालय में अपने दादी पूछा बाई पति स्व. कोल्हवा के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है जिसका ग्राम मोहरेंगा मे मृत्यु दिनांक 15/04/1986 को निवास साकिन में होना व भूलवश ग्राम / नगर पंचायत में मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा / आपत्ति हो तो वे नियत पेशी तारीख / /2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर अपनी दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनाँक 30/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी ।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा

न्यायालय तहसीलदार तहसील नवागढ़, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री परगनिहा पिता बोधीराम जाति तेली निवासी ग्राम ग्राम मोहतरा तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ.ग के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया है कि ग्राम मोहतरा प.ह.न. 11 तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ.ग. स्थित कृषि भूमि पुराना ख.न. 1181 रकबा 70 डिसमिल बंदोबस्त के बाद नया ख.न. 1005 रकबा 0.27 हे. राजस्व अभिलेख में विक्रेता जीवनदास पिता विश्राम के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज है। उक्त भूमि को क्रेता परगनिया पिता बोधीराम के द्वारा पंजीकृत बैनामा के माध्यम से सन् 1986 को विक्रेता जीवनदास पिता विश्राम से उपपंजीयक कार्यालय नवागढ में दो गवाहो के समक्ष क्रय किया गया है। उपरोक्त भूमि पर कय दिनांक से केता द्वारा शांतिपूर्वक काश्तकारी किया जा रहा है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का नामांतरण भूलवश आज तक नही करा पाया है, पंजीकृत बैनामा के आधार पर क्रय किये गए भूमि का अपने नाम नामांतरण किये जाने इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उक्त भूमि का नामांतरण किये जाने में किसी भी व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 04.05.2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति एवं दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 09.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

मुहर

तहसीलदार नवागढ़
जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

संक्षिप्त समाचार

गाजा प्रदर्शन पर सख्ती के संकेत, स्टार्मर बोले- उकसाने वाले नारों पर होगा एक्शन

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने गाजा युद्ध के समर्थन में हो रहे

प्रदर्शनों को लेकर सख्त रुख अपनाने की बात कही है। उन्होंने साफ कहा कि देश में विरोध प्रदर्शन का अधिकार तो रहेगा, लेकिन अगर कुछ नारे या गतिविधियां लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बनती हैं, तो सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी पड़ेगी। लंदन में हाल ही में दो यहूदी नागरिकों पर चाकू से हमला हुआ, जिसके बाद हालात और ज्यादा संवेदनशील हो गए हैं। यह हमला गोल्डर्स ग्रीन इलाके में हुआ, जिसे ब्रिटेन में यहूदी समुदाय का प्रमुख केंद्र माना जाता है। पुलिस ने इस घटना को आतंकवादी हमला बताया है और एक 45 वर्षीय आरोपी पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया है। ब्रिटिशी पीएम कीएर स्टार्मर ने खास तौर पर 'ग्लोबलाइज द इंतिफादा' जैसे नारों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे नारे लोगों को उकसाने वाले हो सकते हैं, इसलिए इन पर सख्ती जरूरी है। उनका कहना है कि लगातार हो रहे गाजा समर्थक प्रदर्शनों का एक असर पड़ा है, जिससे यहूदी विरोधी घटनाएं बढ़ी हैं। ब्रिटेन में आतंकवादी खतरे का स्तर बढ़ाया गया ब्रिटेन के शीर्ष पुलिस अधिकारी मार्क राउली ने भी चेतावनी दी है कि देश में यहूदी समुदाय इस समय सबसे बड़े खतरे का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग तरह के चरमपंथी समूह, चाहे वे वामपंथी हों, दक्षिणपंथी हों या इस्लामिक आतंकवादी, सभी यहूदियों को निशाना बना रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ब्रिटेन में आतंकवादी खतरे का स्तर 'सब्सटैंशियल' से बढ़ाकर 'गंभीर' कर दिया गया है। इसका मतलब है कि आने वाले छह महीनों में आतंकी हमले की आशंका काफी ज्यादा मानी जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2023 में इस्राइल पर हुए हमले और उसके बाद शुरू हुए गाजा युद्ध के बाद से ब्रिटेन में यहूदी विरोधी घटनाओं में तेज बढ़ोतरी हुई है। एक संस्था के अनुसार, 2025 में ऐसे करीब 3700 मामले सामने आए, जबकि 2022 में यह संख्या 1662 थी। कुल मिलाकर, ब्रिटेन में गाजा युद्ध को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शनों और बढ़ती हिंसा के बीच सरकार अब कानून-व्यवस्था को लेकर ज्यादा सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है।

ईरान का अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर पलटवार

तेहरान एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस टिप्पणी की आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह समुद्री लुटेरों (पायरेट्स) जैसे हैं। उन्होंने वाशिंगटन पर ईरानी जहाजों को जब्त करके समुद्री डकैती को सामान्य बनाने का आरोप लगाया। प्रवक्ता बगाई ने एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरानी जहाजों पर गैरकानूनी कब्जे को खुलेतौर पर 'समुद्री डकैती' बताया है और बेशर्मी से यह शेखी बघारी है कि हम समुद्री डाकुओं की तरह काम करते हैं। उन्होंने आगे कहा, यह कोई जुबान फिसलने का मामला नहीं था, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री आवाजाही के खिलाफ उनके आपराधिक कृत्यों की एक सीधी और गंभीर स्वीकारोक्ति थी। उन्होंने आगे अतरराष्ट्रीय समुदाय, संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के सदस्य देशों और यूएन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से आह्वान किया कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून के ऐसे घोर उल्लंघन को सामान्य बनाने की किसी भी कोशिश को पूरी तरह खारिज करें। ईरान की ओर से यह टिप्पणी ट्रंप के उस बयान के जवाब में आई, जिसमें उन्होंने कहा था- हम समुद्री लुटेरों जैसे हैं। फ्लोरिडा में पाम बीच के फोरम क्लब में रात्रिभोज में ट्रंप ने समुद्र में अमेरिकी सैन्य अभियानों का एक विस्तृत ब्योरा पेश किया। भाषा और दृश्य चित्रण का इस्तेमाल करते हुए जहाजों और तेल के टैकरों को जब्त करने की प्रक्रिया को बताया।

नासा के सैटेलाइट ने पहली बार अंतरिक्ष से कैद की महासुनामी, वैज्ञानिकों की लहरों पर बेहतर हुई समझ

वॉशिंगटन, एजेंसी। प्रशांत महासागर में उठी एक विशाल सुनामी को पहली बार अंतरिक्ष से इतनी स्पष्टता में कैद किया गया है कि वैज्ञानिक भी हैरान रह गए हैं। नासा के अत्याधुनिक सैटेलाइट ने इन लहरों की ऐसी तस्वीरें दर्ज की हैं, जिन्होंने यह साबित कर दिया कि सुनामी केवल एक सीधी, एकसमान लहर नहीं होती बल्कि रास्ते में बदलती हुई जटिल ऊर्जा का रूप ले लेती है।

द सीस्मिक रिकॉर्ड के अनुसार यह ऐतिहासिक अवलोकन नासा और फ्रांस की स्पेस एजेंसी सीएनईएस के संयुक्त मिशन सरफेस वाटर एंड ओशन टोपोग्राफी (एसडब्ल्यूओटी) सैटेलाइट ने किया। इसने 29 जुलाई को रूस के कामचटका प्रायद्वीप के पास कुरिल-कामचटका सबडक्शन जोन में आए 8.8 तीव्रता के भूकंप से उत्पन्न सुनामी को विस्तार से रिकॉर्ड किया। यह भूकंप 1900 के बाद दर्ज सबसे बड़े भूकंपों में छठे स्थान पर है। नासा के अनुसार

एसडब्ल्यूओटी सैटेलाइट को पृथ्वी के जल स्रोतों की सतह की ऊंचाई मापने के लिए विकसित किया गया है। पहले वैज्ञानिकों को सुनामी के बारे में जानकारी मुख्यतः डीप-ओशन असेसमेंट एंड रिपोर्टिंग ऑफ सुनामी (डीएआरटी) जैसे समुद्र में लगे उपकरणों से मिलती थी, जो केवल सीमित बिंदुओं पर डेटा देते थे। अब यह सैटेलाइट लगभग 120 किलोमीटर चौड़े क्षेत्र में समुद्र की सतह को एक साथ स्कैन कर सकता है, जिससे सुनामी की पूरी संरचना को समझना संभव हो पाया है।

नए सिमुलेशन, जिनमें लहरों के बिखराव को शामिल किया गया, वे वास्तविक आंकड़ों से अधिक मेल खाते हैं। इससे संकेत मिलता है कि मौजूदा सुनामी पूर्वानुमान मॉडल में महत्वपूर्ण सुधार की जरूरत है। यूनिवर्सिटी ऑफ आइसलैंड के वैज्ञानिक एंजेल रुइज-एंगुलो ने इसे नई आंखों जैसा बताया है, जिससे समुद्र के विशाल क्षेत्र को एक साथ देखा जा सकता है। अब तक वैज्ञानिक मानते थे कि बड़ी सुनामी बिना टूटे एक ही लहर के रूप में आगे बढ़ती हैं। लेकिन इस घटना के डेटा ने इस धारणा को गलत साबित किया है। सैटेलाइट ने दिखाया कि सुनामी की ऊर्जा अलग-अलग दिशाओं में फैलती है और कई छोटी लहरों में विभाजित हो जाती है।

दक्षिण कोरिया-ईरान में बातचीत, होर्मुज स्ट्रेट पर सुरक्षित आवाजाही शुरू करने की अपील

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून ने शनिवार को अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से फोन पर बात की और होर्मुज स्ट्रेट से फिर से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही शुरू करने की अपील की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, बातचीत के दौरान चो ह्यून ने कहा कि दक्षिण कोरिया और दूसरे देशों के जहाज अभी भी इस अहम समुद्री रास्ते में फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इनकी सुरक्षित आवाजाही दोबारा शुरू होना बहुत जरूरी है।

उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि जल्द ही शांति और स्थिरता बहाल हो, क्योंकि इस संघर्ष का असर पूरी दुनिया की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। वहीं, अराघची ने अमेरिका के साथ चल रही बातचीत पर ईरान का पक्ष रखा। यह बातचीत दोनों मंत्रियों के बीच तीसरी बार हुई है, जब से फरवरी के आखिर में अमेरिका-इजरायल के हमलों के बाद यह तनाव शुरू हुआ था। मंत्रालय के मुताबिक, इस बार की बातचीत ईरान की तरफ से पहल करके की गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल की शुरुआत में युद्धविराम की समय-सीमा बढ़ा दी थी और ईरान से एक ठोस शांति प्रस्ताव देने को कहा था। साथ ही, उन्होंने ईरान पर नौसैनिक घेराबंदी और आर्थिक प्रतिबंधों के जरिए दबाव भी बढ़ाया। ट्रंप ने शुक्रवार को (अमेरिका समय के अनुसार) कहा कि वे ईरान के नए प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं हैं। पिछले महीने पाकिस्तान के इस्लामाबाद में दोनों देशों के बीच हुई पहली सीधी बातचीत भी बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई थी।

होर्मुज तनातनी के बीच ईरान का नया 14 सूत्रीय प्रस्ताव? ट्रंप बोले- गड़बड़ की तो बचेंगे नहीं

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा भीषण युद्ध खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। ईरान ने इस युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए अमेरिका के सामने एक नया 14 सूत्रीय प्रस्ताव रखा है। हालांकि, मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस नए प्रस्ताव से पूरी तरह संतुष्ट नहीं दिख रहे हैं। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि भले ही वह ईरान के इस प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं, लेकिन अगर ईरान ने कोई भी गलत हरकत की, तो अमेरिका उस पर फिर से सैन्य हमले शुरू कर देगा। इस कड़े रुख से साफ है कि दोनों देशों के बीच शांति का रास्ता अभी भी बहुत मुश्किल है।

ईरान की राज्य मीडिया आउटलेट तस्नीम समाचार एजेंसी के अनुसार, ईरान ने अमेरिका को यह नया 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा है। इस प्रस्ताव को एक पाकिस्तानी मध्यस्थ (बिचौलिए) के जरिए अमेरिका तक पहुंचाया गया है। ईरान ने इसमें लेबनान समेत सभी मोर्चों पर चल रहे युद्ध को पूरी तरह समाप्त करने की मांग की है। ईरान का कहना है कि सिर्फ दो महीने का सीजफायर काफी नहीं है, बल्कि 30 दिनों के भीतर सभी मुद्दों को सुलझाकर युद्ध का स्थायी अंत होना चाहिए।

ईरान ने इस प्रस्ताव में अमेरिका से किसी भी सैन्य आक्रामकता के खिलाफ ठोस गारंटी मांगी है और ईरान के आसपास के क्षेत्र से अमेरिकी सैन्य बलों को हटाने को कहा है। इसके साथ ही, ईरान ने अपनी जब्त की गई संपत्तियों को छोड़ने, सभी प्रतिबंध हटाने और होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए एक नया तंत्र शुरू करने की मांग भी की है।

राष्ट्रपति ट्रंप का क्या रुख है?: मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि वह ईरान के इस नए प्रस्ताव की समीक्षा (जांच) कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ईरान का यह प्रस्ताव

अमेरिका को स्वीकार्य (मंजूर) होगा। ट्रंप ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ईरान ने पिछले 47 वर्षों में मानवता और दुनिया के साथ जो किया है, उसकी उसने अभी तक पर्याप्त कीमत नहीं चुकाई है। उन्होंने कहा कि अगर ईरान बुरा व्यवहार करता है या कुछ भी गलत करता है, तो अमेरिका फिर से उस पर सैन्य हमले शुरू कर सकता है।

बातचीत में सबसे बड़ी अड़चन क्या?: ट्रंप ने साफ कहा कि ईरान एक समझौता चाहता है, लेकिन वे उन चीजों की मांग कर रहे हैं जिन्हें अमेरिका कभी नहीं मान सकता। ट्रंप का मानना है कि दोनों देशों के बीच काफी मतभेद हैं और बातचीत बहुत जटिल (मुश्किल) दौर में है। अमेरिका की मुख्य मांग यह है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए कड़ी प्रतिबद्धता जताए। दूसरी तरफ, ईरान चाहता है कि अमेरिका पहले उस पर लगे सभी सैन्य और आर्थिक दबाव को कम करे, उसके बाद ही परमाणु समझौते पर कोई बात होगी।

परमाणु कार्यक्रम को लेकर कहां फंसा है पेंच?: ट्रंप ने कहा कि वह इंसानियत के नाते बमबारी से बचना चाहते हैं। लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से हर हाल में रोकना ही होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका चाहता है कि शुरुआत में ही ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर ठोस वादे करे। वहीं, ईरान चाहता है कि सबसे पहले उस पर लगे सैन्य और आर्थिक दबाव को कम किया जाए। ट्रंप ने ईरान के नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि वे आपस में ही एक-दूसरे के साथ नहीं बन पा रहे हैं।

अमेरिका फिर से हमले की योजना बना रहा?: ट्रंप ने मीडिया को बताया कि उन्हें संभावित सैन्य कार्रवाई के बारे में पूरी जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि उनके पास दो ही विकल्प हैं: या तो ईरान पर भारी बमबारी की जाए, या फिर किसी समझौते पर पहुंचने की कोशिश की जाए। गुरुवार को ही अमेरिकी सेना के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने ट्रंप को ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य हमलों की नई योजनाओं की जानकारी दी थी। इसके बाद कूपर उस क्षेत्र के लिए रवाना हो गए और शनिवार को अरब सागर में 'यूएसएस त्रिपोली' पर अमेरिकी सैनिकों से मुलाकात भी की।

28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के ठिकानों पर किए गए हमलों के बाद से अमेरिका में गैस (पेट्रोल) की कीमतें बहुत तेजी से बढ़ी हैं। अमेरिका में गैस की कीमतें बढ़कर 4.39 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई हैं, जो युद्ध शुरू होने से पहले के मुकाबले 47 प्रतिशत ज्यादा हैं। ट्रंप ने कहा है कि वह ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी को जारी रखना चाहते हैं।

300 से अधिक ड्रोन दागे

अब और नहीं, यूक्रेन ने रूसी शैडो फ्लीट के दो टैंकरों पर किया हमला

कीव, एजेंसी। यूक्रेन और रूस के बीच जारी संघर्ष कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि उनके सैन्य बलों ने रूस के रणनीतिक काला सागर

बंदरगाह, नोवोरोस्सियस्क के प्रवेश द्वार पर रूस के शैडो फ्लीट (अवैध तेल बेड़े) के दो तेल टैंकरों को निशाना बनाया है।

दरअसल, एक तरफ जहां यूक्रेन लंबी दूरी के ड्रोनों के जरिए रूस के तेल बुनियादी ढांचे और रिफाइनरियों को निशाना बना रहा है, वहीं दूसरी ओर रूस ने भी ड्रोन हमलों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी की है। दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के कारण सीजफायर की संभावनाएं फिलहाल धुंधली नजर आ रही हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर कहा, ÷हमारे सैनिक रूसी अवैध तेल टैंकरों के खिलाफ प्रतिबंध लगाना जारी रखे हुए हैं। उन्होंने नोवोरोस्सियस्क बंदरगाह के प्रवेश द्वार पर पानी में ऐसे दो जहाजों को निशाना बनाया। ये टैंकर सक्रिय रूप से तेल परिवहन के लिए इस्तेमाल किए जा रहे थे- अब नहीं। समुद्र, वायु और जमीन पर यूक्रेन की लंबी दूरी की क्षमताओं वाले हमले जारी रहेंगे। 300 से अधिक ड्रोन दागे यह घटना रूसी रक्षा मंत्रालय के उस बयान के बाद सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि उसके वायु रक्षा तंत्र ने रात भर में लगभग 15 क्षेत्रों में 334 यूक्रेनी ड्रोन को रोका, जिनमें मॉस्को के आसपास के इलाके और सेंट पीटर्सबर्ग शहर वाला लेनिनग्राद क्षेत्र शामिल हैं। हालांकि, इससे किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। जिसमें यूक्रेन रूसी क्षेत्र के अंदरूनी हिस्सों में लगातार हमले कर रहा गौरतलब है कि यूक्रेनी ड्रोनों ने बार-बार रूस के प्रमुख ऊर्जा स्थलों को निशाना बनाया है। काला सागर के किनारे स्थित तुआपसे शहर में, जो मोर्चे से लगभग 450 किलोमीटर दूर है, तेल रिफाइनरी और निर्यात टर्मिनल पर दो सप्ताह से थोड़े अधिक समय में चार बार हमले हुए हैं, जिससे आग लग गई।

गलती की तो फिर शुरू हो सकते हैं हमले, ईरान को ट्रंप का सख्त संदेश; परमाणु क्षमता पर भी नजर

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के ताजा प्रस्ताव को लेकर अमेरिका का रुख फिलहाल सतर्क लेकिन सख्त नजर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि दोनों देशों के बीच बातचीत आगे बढ़ रही है, लेकिन अभी किसी अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचना बाकी है। उन्होंने संकेत दिए कि प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है, पर इसे स्वीकार करना आसान नहीं होगा।

ट्रंप ने बातचीत की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा 'हम ईरान के मामले में अच्छी प्रगति कर रहे हैं। वे समझौता करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें अपने नेतृत्व को लेकर स्पष्टता नहीं है। मैं इस प्रस्ताव पर नजर रख रहा हूं। उन्होंने सौदे की रूपरेखा साझा की है और अब वे इसका पूरा विवरण देने वाले हैं।' उनके इस बयान से साफ है कि अमेरिका ईरान के प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज नहीं कर रहा, लेकिन हर पहलू को बारीकी से परखा जा रहा है। ईरान की सैन्य ताकत, खासकर उसकी मिसाइल निर्माण क्षमता को लेकर ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि ईरान की बची हुई मिसाइल क्षमता को पूरी तरह खत्म कर दिया जाए। ट्रंप ने इस पर कहा 'मैं इसे पूरी तरह खत्म करना चाहूंगा। ऐसा करने से वे दोबारा अपनी क्षमता बढ़ाने की शुरुआत नहीं कर पाएंगे।' ट्रंप ने यह भी साफ किया कि अगर ईरान की ओर से कोई आक्रामक या गलत कदम उठाया जाता है, तो अमेरिका सैन्य कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा 'अगर वे कोई गलत कदम उठाते हैं या अनुचित व्यवहार करते हैं तो कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल स्थिति पर नजर रखी जा रही है, लेकिन यह संभावना पूरी तरह से बनी हुई है।' पोस्ट में जानकारी दी कि वे जल्द ही ईरान द्वारा भेजे गए प्रस्ताव की समीक्षा करेंगे। हालांकि, उन्होंने इस प्रस्ताव को लेकर संदेह भी जताया। उन्होंने लिखा 'मैं जल्द ही उस योजना की समीक्षा करूंगा जो ईरान ने हमें भेजी है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसे स्वीकार करना आसान होगा, क्योंकि पिछले 47 वर्षों में जो कुछ हुआ है, उसके लिए उन्होंने अभी तक पर्याप्त कीमत नहीं चुकाई है।'

लेबनान के प्रधानमंत्री की नफरत भड़काने से दूरी की अपील; दक्षिण लेबनान में इस्राइली हमले तेज

बेरूत, एजेंसी। अमेरिका ने जर्मनी में तैनात अपने लगभग 5,000 सैनिकों को वापस बुलाने का निर्णय लिया है। इस कदम के बाद जर्मनी अपनी सुरक्षा में अमेरिका पर निर्भरता को लेकर दोबारा विचार कर रहा है। इस फैसले के साथ-साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूरोपीय संघ में बनी कारों पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी से जर्मनी को हर साल करीब 15 अरब डॉलर तक का नुकसान हो सकता है। इससे यूरोप की आर्थिक और रक्षा रणनीति पर भी असर पड़ने की आशंका है।

अमेरिका ने जर्मनी में तैनात अपने लगभग 5,000 सैनिकों को वापस बुलाने का निर्णय लिया है। इस कदम के बाद जर्मनी अपनी सुरक्षा में अमेरिका पर निर्भरता को लेकर दोबारा विचार कर रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, इस फैसले के साथ-साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूरोपीय संघ में बनी कारों पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी से जर्मनी को हर साल करीब 15 अरब डॉलर तक का नुकसान हो सकता है। इससे यूरोप की आर्थिक और रक्षा रणनीति पर भी असर पड़ने की आशंका है। लेबनान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी के अनुसार, इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के बिंत ज्बैल जिले के बुर्ज कलाविया इलाके पर हवाई हमला किया है। साथ ही इलाके में भारी तोपखाने से गोलाबारी भी की गई। एजेंसी ने यह भी बताया कि सीमा से लगे गांव खयिाम में कई घरों में आग लगाने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से शुरू हुई जंग फिलहाल युद्ध विराम की छांव में है। पर्दे के पीछे से अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत के प्रयास किए जा रहे हैं। इस बीच ईरान के जंजन शहर के पास बम फटने से रिवोल्यूशनरी गार्ड के 14 सदस्यों की मौत हो गई। ये बम युद्ध के समय

के थे जो उस वक्त नहीं फटे थे। सात अप्रैल को हुए युद्ध विराम के बाद यह सबसे बड़ा हादसा है।

खराब एसी में अमेरिका में बढ़ रही थीं आग लगने की घटनाएं, इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी पर लगा जुर्माना

न्यू जर्सी , एजेंसी। न्यू जर्सी की कंपनी रॉयल सोवरेन इंटरनेशनल इंक को यूजर को 395,786 का मुआवजा देने और 8 मिलियन का आपराधिक जुर्माना भरने की सजा सुनाई गई है।

अमेरिकी उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा आयोग को खतरनाक एयर कंडीशनर के बारे में रिपोर्ट न करने के लिए यह कार्रवाई की गई। इन एसी से 40 से ज्यादा आग लगने की घटनाएं हुईं और एक व्यक्ति की मौत भी हो गई।

कंपनी ने कितने एसी आयात किए: 2008 से 2014 के बीच कंपनी ने चीन में निर्मित 33,000 से ज्यादा खराब एयर कंडीशनर आयात किए और अमेरिका में बेचे। इनमें खराब ड्रेन मोटर लगी थी, जिसके कारण शॉर्ट सर्किट होकर आग लग जाती थी और आग तेजी से फैल जाती थी। कंपनी ने 2021 में इन मॉडलों को वापस मंगाया था।

अगस्त 2025 में कंपनी ने आपराधिक मामले में अपना दोष स्वीकार कर लिया। उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा अधिनियम के तहत कंपनी पर आरोप था कि उसने जानबूझकर एयर कंडीशनर से जुड़ी खतरनाक जानकारी सीपीएससी को तुरंत नहीं दी।

कंपनी ने उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा अधिनियम को कैसे किया गुमराह: नवंबर 2010 में रॉयल सोवरेन ने उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा अधिनियमको गुमराह किया। कंपनी ने एजेंसी को बताया कि उसे एयर कंडीशनर से जुड़ी सिर्फ दो आग लगने की घटनाओं की जानकारी है और अब वह उन्हें नहीं बेच रही है। जबकि वास्तव में कंपनी को कम से कम 16 आग लगने की घटनाओं की जानकारी थी और वह लगातार इन एसी को बेचती रही।

धुएं में सांस लेने से मौत: अगस्त 2016 में एक महिला की धुएं में सांस लेने से मौत हो गई और उसके दो बच्चे घायल हो गए। यह घटना उनके घर में लगे रॉयल सोवरेन एयर कंडीशनर में आग लगने के कारण हुई थी। आपराधिक मामले के अलावा, कंपनी ने अमेरिका सरकार के साथ सिविल समझौता भी किया। इसके तहत कंपनी को .16,025,000 का सिविल जुर्माना देना पड़ा, जो उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा अधिनियमके तहत तय अधिकतम राशि है। कंपनी ने अब उपभोक्ता उत्पादों की मार्केटिंग, बिक्री और वितरण से जुड़े सभी कामकाज हमेशा के लिए बंद कर दिए हैं। जस्टिस डिपार्टमेंट के क्रिमिनल डिवीजन के असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल ए. टायसन डुवा, डिस्ट्रिक्ट ऑफ न्यू जर्सी के यू.एस. अटॉर्नी पीटर रॉबर्ट फ्रेजर और यू.एस. कंज्यूमर प्रोडक्ट सेफ्टी कमीशन के एक्टिंग चेयरमैन पीटर ए. फेल्डमैन ने इस घोषणा की जानकारी दी। क्रिमिनल डिवीजन के ट्रायल अटॉर्नी एथन कैरोल ने मामले की पैरवी की। उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा अधिनियम की रेनी मैकक्यून और न्यू जर्सी की असिस्टेंट अमेरिकी अटॉर्नी फातिमे मेका कैनो ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आईपीएल में मुंबई का सबसे बड़ा रन चेज

लखनऊ को 6 विकेट से हराया; रोहित-रिकेल्टन की फिफ्टी

वानखेड़े। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल में अपना सबसे बड़ा रन चेज किया है। टीम ने सोमवार को लखनऊ सुपर जायंट्स पर 6 विकेट की जीत दर्ज की। टीम ने मौजूदा सीजन में लगातार तीन हार के बाद जीत का स्वाद चखा है।

वानखेड़े स्टेडियम में टॉस हारकर बैटिंग कर रही लखनऊ ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 228 रन बनाए। मुंबई ने 229 रन का टारगेट 18.4 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया। विल जैक्स ने आवेश खान की बॉल पर छक्का मारकर टीम को जीत दिला दी। मैच का स्कोरबोर्ड

रोहित-रिकेल्टन की फिफ्टी, दोनों में शतकीय साझेदारी

रन चेज में ओपनर्स ने मुंबई को विस्फोटक शुरुआत दिलाई। रोहित शर्मा और रायन रिकेल्टन की जोड़ी ने 65 बॉल पर 143 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की।

रोहित शर्मा ने 44 बॉल पर 6 चौके और 7 छक्कों के सहारे 84 रन बनाए। जबकि रायन रिकेल्टन ने 32 बॉल पर 83 रन बनाए। उनकी पारी में 6 चौके और 8 छक्के शामिल रहे।

पूरन की फिफ्टी, बॉश को 2 विकेट

निकोलस पूरन ने एक चौका और 8 छक्कों के सहारे 63 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने ओपनर मिचेल मार्श के साथ 35 बॉल पर 94 रन की साझेदारी की। मार्श 44 रन बनाकर आउट हुए।

ऐडन मार्करम ने नाबाद 31 और हिम्मत सिंह ने नाबाद 40 रन बनाए। कॉर्बिन बॉश को 2 विकेट मिले। अल्लाह गजनफर, विल जैक्स और रघु शर्मा को एक-एक विकेट मिला। कप्तान सूर्यकुमार यादव के रूप में मुंबई को चौथा झटका लगा है। सूर्यकुमार सात गेंदों पर दो चौकों की मदद से 12 रन बनाकर

आउट हुए।

रोहित की शानदार पारी समाप्त मणिमरन सिद्धार्थ ने रोहित शर्मा को आउट कर मुंबई को दूसरा झटका दिया। रोहित 44 गेंदों पर छह चौकों और सात छक्कों की मदद से 84 रन बनाकर आउट हुए। रोहित की शानदार पारी

रोहित शर्मा की शानदार बल्लेबाजी जारी है और वह तिलक वर्मा के साथ साझेदारी निभा रहे हैं। मुंबई ने 13 ओवर की समाप्ति के बाद एक विकेट पर 172 रन बनाए हैं। मुंबई को जीत के लिए अब 42 गेंदों पर 57 रन बनाने हैं। मुंबई को पहला झटका

मुंबई इंडियंस को रेयान रिकेल्टन के रूप में पहला झटका लगा है। रिकेल्टन 32 गेंदों पर छह चौकों और आठ छक्कों की मदद से 83 रन बनाकर आउट हुए। रिकेल्टन और रोहित ने पहले विकेट के लिए 143 रनों की साझेदारी की। रिकेल्टन को मोहसिन खान ने अपना शिकार बनाया।

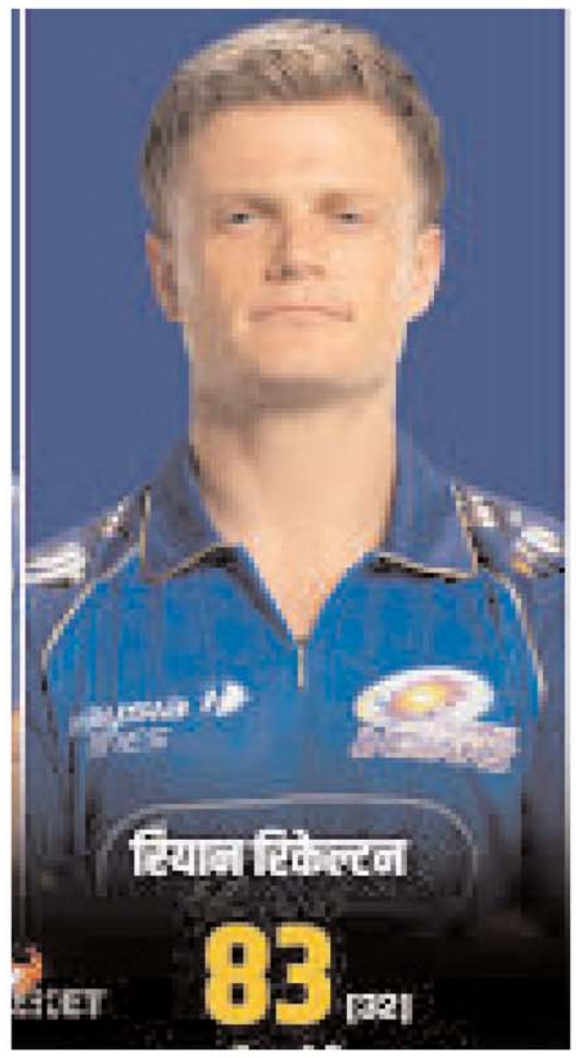

ब्रीफ न्यूज

टी20 में सबसे धीमे शतक का रिकार्ड है स्टर्लिंग के नाम

मुम्बई । टी20 क्रिकेट में जहां बल्लेबाज तेजी से शतक पूरा करने के लिए जमकर चौक, छक्के लगाते हैं और लोगों को आतिशी खेल देखने को मिलता है। वहीं आयरलैंड के सलामी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग इसके अपवाद है। स्टर्लिंग के नाम इस प्रारुप में सबसे धीमा शतक है। उन्होंने ये शतक साल 2021 में बनाया था जिसने प्रशंसकों को हैरानी में डाल दिया था हालांकि इसके बाद भी। उन्होंने जिम्बाब्वे के टी20 इतिहास का सबसे धीमा शतक लगाकर आयरलैंड को 40 रनों की जीत दिलाई थी।

स्टर्लिंग ने अपने शतक तक पहुँचने के लिए 70 गेंदों को खेला था। उन्होंने कुल 75 गेंदों में 115 रनों की अहम पारी खेली, जिसमें 8 चौके और इतने ही शानदार छक्के शामिल थे। यह रिकॉर्ड आज भी बना हुआ है और शायद भविष्य में कोई बल्लेबाज इसे तोड़ना पसंद न करे, क्योंकि टी20 क्रिकेट हमेशा तेजी पर टिका है।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सुपर जायंट्स में मुकाबला

मुंबई। मुम्बइ इंडियंस आईपीएल में सोमवार को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से मुकाबला करेगी। मुंबई इंडियंस का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। मुम्बई अभी नौवे नंबर पर है और उसके केवल चार अंक हैं। मुम्बई अभी अंक तालिका में नौवें स्थान पर है, जिसने नौ मैचों में से सिर्फ दो में जीत हासिल की है। उसके लिए जीत हालांकि आसान नहीं होगी क्योंकि पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से टीम को 8 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह दबाव में है। उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें तभी बनी रहेंगी जब वह बचे हुए सभी मैच बड़े अंतर से जीते। मुम्बई के लिए ये आसन नहीं होगा उसके बल्लेबाजसूर्यकुमार यादव फार्म में नहीं है, तिलका वर्मा का प्रदर्शन ही केवल अच्छा रहा है। कप्तान हार्दिक पंड्या भी गेंद औ बल्ले दोनो से ही विफल रहे है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह भी फ्लॉप साबित हुए हैं जिससे टीम बड़े स्कोर का भी बचाव नहीं कर पा रही।

बास्केटबॉल दिग्गज कोबे ब्रायंट की सफलता का सीक्रेट

आंख खुलते ही फोन देखने की बजाय 15 मिनट शांत बैठें; मेमोरी बढ़ेगी, तनाव दूर होगा

द न्यूयॉर्क टाइम्स। भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर खुद के लिए समय नहीं निकाल पाते। ऐसे में दिवंगत बास्केटबॉल खिलाड़ी कोबे ब्रायंट की दिनचर्या की एक आसान आदत हमारे लिए बेहद काम की हो सकती है। अपनी आक्रामक खेल शैली और जीतने की जिद के लिए मशहूर कोबे का अभ्यास सुबह 4 बजे ही शुरू हो जाता था। लेकिन इस कड़े रूटीन के बीच उनका एक खास नियम था, जिसने उन्हें मानसिक रूप से अभेद्य बनाया था। अमेरिका के कोबे हर सुबह उठने के बाद कम से कम 15 मिनट एक जगह बिल्कुल शांत बैठकर ध्यान लगाते थे। उनके लिए यह मौन शारीरिक कसरत जितना ही महत्वपूर्ण था। कोबे मानते थे कि सुबह की 15 मिनट की यह शांति उनके पूरे दिन की नींव तय

करती है। यह उन्हें दिनभर मानसिक रूप से स्थिर रखती। इसके बिना उन्हें लगता था कि वे बस काम और तनाव के पीछे भाग रहे हैं। इस मौन के अभ्यास से वे अपने दिन को खुद नियंत्रित कर पाते थे। रात को बड़े मैचों से पहले भी वे इसी तरह शांत बैठकर चुनौतियों की कल्पना करते और मानसिक रूप से खुद को तैयार करते थे। मनोविज्ञान में इस अभ्यास को 'टाइप 2 फन' कहा जाता है। शुरुआत में 15-20 मिनट बिना मोबाइल या किसी बाहरी रुकावट के चुपचाप बैठना उबाऊ और बेचैन करने वाला लग सकता है। लेकिन आदत बनने पर यह गहरी संतुष्टि देता है। जब इंसान बिल्कुल शांत बैठता है, तो दिमाग में वो बातें और भावनाएं आने लगती हैं, जिन्हें वह दिनभर की भागदौड़ में नजरअंदाज कर देता है- जैसे शरीर का कोई पुराना दर्द, या अटका हुआ काम। खाली बैठकर हम विचारों से भागने के बजाय उनका सामना करना सीखते हैं। कोबे भी मानते थे कि डर या घबराहट को दबाने से वे बढ़ती हैं, जबकि शांत बैठकर उन्हें स्वीकार करने से नकारात्मक प्रभाव खत्म हो जाता है।

अनुष्का बनीं इंडिया-ए महिला टी-20 टीम की कप्तान

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर की उभरती क्रिकेट प्रतिभा अनुष्का शर्मा को भारतीय महिला क्रिकेट में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारत-ए महिला टीम की टी-20 कप्तानी उन्हें दी है। अनुष्का शर्मा की कप्तानी में भारत-ए महिला टीम इंग्लैंड-ए के खिलाफ तीन टी-20 मैच खेलेगी। मुकाबले नॉर्थम्पटन और चेल्सफोर्ड में होंगे। उनके आक्रामक खेल और लगातार शानदार प्रदर्शन को देखते हुए चयनकर्ताओं ने उन पर भरोसा जताया है। अनुष्का बोलीं- सर्वश्रेष्ठ देने की पूरी कोशिश रहेगी जिम्मेदारी को लेकर अनुष्का शर्मा ने कहा कि देश के लिए खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। कप्तान के रूप में टीम का नेतृत्व करना उनके लिए गर्व की बात है। वे अपनी टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ देने की पूरी कोशिश करेंगी। टी-20 सीरीज (इंग्लैंड-ए बनाम भारत-ए) का शेड्यूल 20 जून

पहला मैच नॉर्थम्पटन 23 जून दूसरा मैच नॉर्थम्पटन 25 जून तीसरा मैच चेल्सफोर्ड

वनडे सीरीज

कप्तान: हरलीन देओल

उपकप्तान: प्रतिका रावल

मैच: होवे और टॉनटन में 28 जून, 1 जुलाई और 4 जुलाई को टीम में वृंदा दिनेश को टी-20 फॉर्मेट में उपकप्तान बनाया है।

प्रदर्शन के दम पर मिली कप्तानी

हरफनमौला खिलाड़ी अनुष्का शर्मा ने घरेलू क्रिकेट में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर उन्होंने भारतीय सीनियर टीम के लिए डेब्यू किया, जहां तीन मैचों में उपयोगी पारियां खेलीं और अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

महिला प्रीमियर लीग में दमदार प्रदर्शन

महिला प्रीमियर लीग 2026 में अनुष्का शर्मा ने गुजरात जायंट्स के लिए खेलते हुए 30 गेंदों में 44 रन की तेज पारी खेली, जिससे उनकी आक्रामक बल्लेबाजी की झलक देखने को मिली।

पीएसएल जीतते ही बाबर आजम गरजे: तीनों फॉर्मेट खेलने को लेकर किया बड़ा एलान

इस्लामाबाद। पेशावर जाल्मी को पीएसएल 2026 का खिताब दिलाने के बाद बाबर आजम ने अपने भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया है। एक रिपोर्टर के सवाल पर बाबर ने साफ कहा कि वह तीनों फॉर्मेट खेलते रहेंगे। साथ ही उन्होंने रेड-बॉल क्रिकेट के महत्व और अपने खराब दौर से उबरने की कहानी भी साझा की।

पाकिस्तान क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने पीएसएल 2026 जीतने के बाद अपने भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया। जब प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनसे पूछा गया कि क्या अब वह किसी एक फॉर्मेट पर ज्यादा ध्यान देंगे, तो बाबर ने बीच में ही जवाब देते हुए कहा, 'टेंशन न लें, मैं तीनों फॉर्मेट खेलूंगा।' बाबर की कप्तानी में पेशावर जाल्मी ने पीएसएल का दूसरा खिताब जीता। हालांकि फाइनल में बाबर गोल्डन डक पर आउट हो गए, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा।

तीनों फॉर्मेट खेलने पर क्या बोले बाबर?

बाबर आजम ने कहा, 'यह खिलाड़ी का काम नहीं है कि वह तय करे कौन सा फॉर्मेट छोड़े। खिलाड़ी का काम खेलना है। मेरी राय में हर खिलाड़ी को क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट खेलने चाहिए। सिर्फ व्हाइट-बॉल या टी20 पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

विनेश के सपोर्ट में उतरे महावीर फोगाट: बोले-कुश्ती महासंघ भंग करो, मौजूदा प्रमुख बृजभूषण की कठपुतली

रेसलर ने खुद को बताया यौन उत्पीड़न की विक्टिम

चंडीगढ़। ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट द्वारा भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण पर यौन शोषण के आरोप लगाने के बाद विनेश के बचपन के कोच रहे ताया महावीर फोगाट उनके समर्थन में उतरे हैं। महावीर ने कहा कि बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ लंबे समय से चल रहे आंदोलन के बावजूद महासंघ में कोई खास बदलाव नहीं आया है। मौजूदा प्रमुख संजय सिंह बृजभूषण के सिर्फ एक कठपुतली हैं। एक दिन पहले ही विनेश ने वीडियो जारी कर कहा था कि वह भी उन यौन उत्पीड़ित महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं,

जिन्होंने बृजभूषण के खिलाफ शिकायत दी है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के गोंडा में बृजभूषण के स्वामित्व वाले कॉलेज में 10 से 12 मई के बीच आयोजित सीनियर ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट में जाने पर आपत्ति जताई। महावीर फोगाट ने कहा कि ड्ढस्नढ्ढ का ये टूर्नामेंट अनुचित है। इससे यह स्पष्ट होता है कि आंदोलन से पहले की तरह ही स्थिति अभी भी उतनी ही संदिग्ध और भ्रष्ट बनी हुई है।

कुश्ती टूर्नामेंट के आयोजन स्थल पर उठाए सवाल

आयोजन स्थल के औचित्य पर सवाल उठाते हुए महावीर फोगाट ने कहा कि जब दिल्ली के आसपास पर्याप्त बुनियादी ढांचा और खिलाड़ियों की अच्छी-खासी संख्या मौजूद है, तो गोंडा में इस आयोजन को आयोजित करना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, इससे यह संकेत मिलता है कि केंद्र सरकार भी भारतीय कुश्ती संघ (ड्ढस्नढ्ढ) में स्थिति सुधारने के लिए कुछ नहीं कर सकी। बृजभूषण अभी भी महासंघ के प्रमुख के करीबी होने के कारण बैकडोर से बागडोर संभाले हुए हैं।

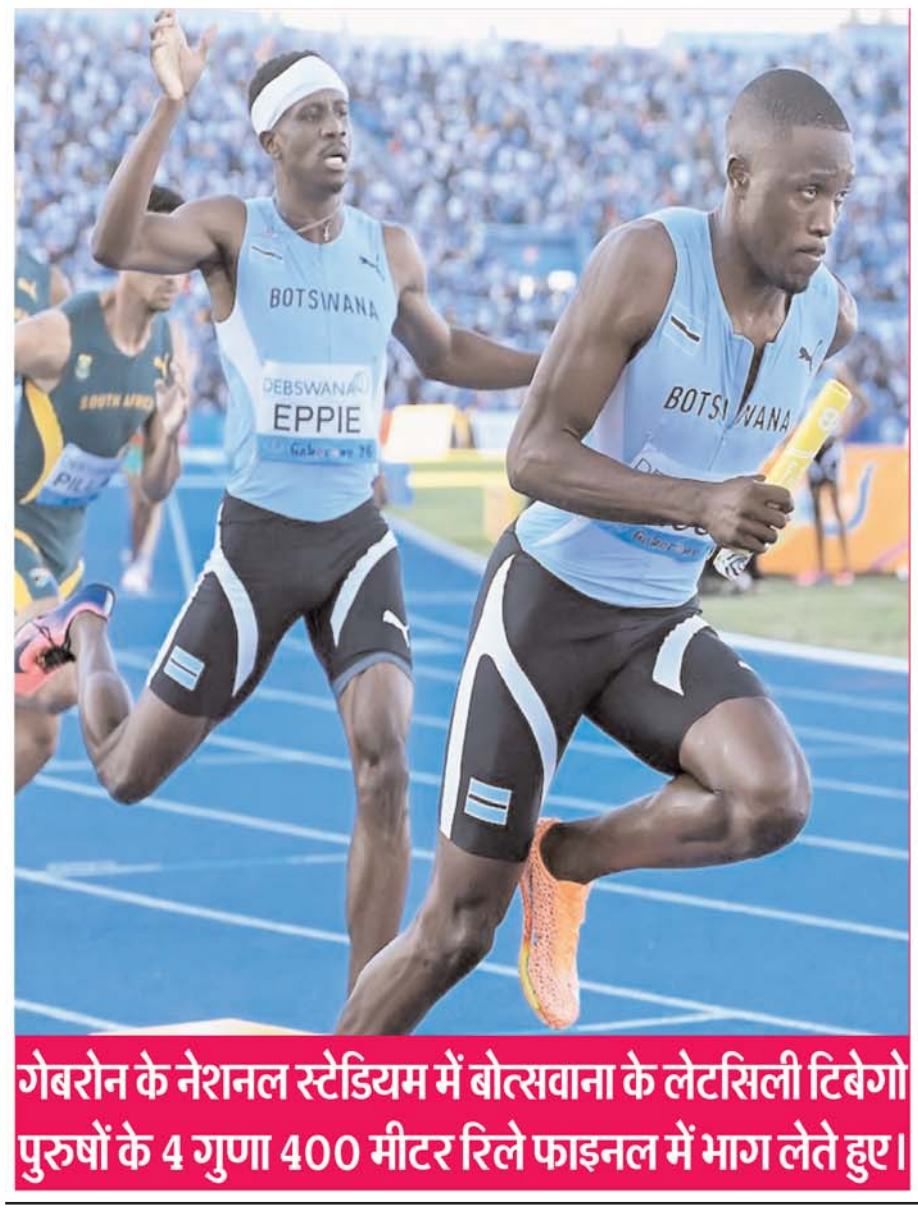

गेबरोन के नेशनल स्टेडियम में बोत्सवाना के लेटसिली टिबेगो पुरुषों के 4 गुणा 400 मीटर रिले फाइनल में भाग लेते हुए।

राधा का टी20 विश्वकप में चयन, बल्ले और गेंद से उनके जबरदस्त सुधार का नतीजा

मुंबई। सीम गेंदबाजी ऑलराउंडर अमनजोत कौर (पीठ की चोट) और कशवी गौतम (घुटने की चोट) के चोटिल होने के साथ-साथ राधा के अच्छे प्रदर्शन ने उन्हें फिर से टी20 वर्ल्ड कप टीम और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की सीरीज में जगह दिलाई।ड्ड

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बाएं हाथ की स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर तनुजा कंवर ने कहा है कि राधा यादव का 2026 महिला टी20 वर्ल्ड कप टीम में चयन एक बड़ा कमबैक है। उन्होंने बताया कि राधा को टीम में जगह उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में हुए बड़े सुधार की वजह से मिली है।

राधा यादव ने आखिरी बार 2025 में इंग्लैंड दौरे पर टी20 मैच खेला था, जहां उन्होंने छह विकेट लिए थे और भारत ने दोनों व्हाइट बॉल सीरीज जीती थीं। इसके बाद उन्हें 2025 महिला वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम में भी शामिल किया गया। लेकिन टीम में कई बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज होने के कारण उन्हें श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में मौका नहीं मिला। इसके बाद राधा ने महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए शानदार प्रदर्शन किया। टीम के दूसरी बार खिताब जीतने में उनका योगदान रहा। उन्होंने 9 मैचों में 114 रन बनाए, जिसमें 66 रन की एक पारी भी शामिल थी, हालांकि उन्हें सिर्फ 2 विकेट मिले।

राधा ने भारत 'ए' टीम की कप्तानी करते हुए बैंकॉक में महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट भी जिताया। इस दौरान उन्होंने 75 रन बनाए और गेंदबाजी में 5 रन प्रति ओवर की दर से 10 विकेट लिए। सीनियर महिला इंटर जोनल मल्टी डे ट्रॉफी में वेस्ट जोन टीम उपविजेता रही, जिसमें राधा ने चार पारियों में 224 रन बनाए। उनका सर्वोच्च स्कोर 108 रन रहा और उन्होंने 12 विकेट भी लिए। इस प्रदर्शन के दम पर वह बल्लेबाजी

और गेंदबाजी दोनों में दूसरे स्थान पर रहीं। सीम गेंदबाजी ऑलराउंडर अमनजोत कौर (पीठ की चोट) और कशवी गौतम (घुटने की चोट) के चोटिल होने के साथ-साथ राधा के अच्छे प्रदर्शन ने उन्हें फिर से टी20 वर्ल्ड कप टीम और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की सीरीज में जगह दिलाई।

तनुजा कंवर ने एक इवेंट के दौरान आईएएनएस से खास बातचीत में कहा कहा, 'मुझे लगता है यह बहुत अच्छा है कि राधा का चयन टी20 वर्ल्ड कप के लिए हुआ। उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में काफी सुधार हुआ है, इसलिए यह एक बड़ा कमबैक है। मुझे लगता है कि राइजिंग स्टार्स एशिया कप में उनकी कप्तानी भी बहुत अच्छी रही। उन्होंने मुश्किल हालात को बहुत अच्छे तरीके से संभाला।'

अब तनुजा का ध्यान भारत 'ए'

टीम के इंग्लैंड दौरे की तैयारी पर है। इस दौरे में 20 जून से 4 जुलाई तक तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेले जाएंगे। टी20 मैच नॉर्थहैम्पटन और चेल्म्सफोर्ड में 20 से 25 जून के बीच होंगे, जबकि वनडे मैच 28 जून से 4 जुलाई के बीच होव और टॉनटन में खेले जाएंगे।

तनुजा ने कहा कि बीसीसीआई द्वारा 'शैडो टूर' बढ़ाने से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए बेहतर तैयारी का मौका मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पहले भारत 'ए' महिला टीम को ज्यादा मैच नहीं मिलते थे, लेकिन अब लगातार मैच हो रहे हैं, जो खिलाड़ियों के लिए बहुत फायदेमंद है। भारत 'ए' टीम में खेलने से हमें बड़े खिलाड़ियों के साथ खेलने और मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलता है। इससे खिलाड़ियों में परिपक्वता आती है और वे भारतीय टीम के लिए पूरी तरह तैयार हो जाते हैं। '

उन्होंने आगे कहा, 'हम पहली बार इंग्लैंड में खेलने जा रहे हैं। वहां की परिस्थितियां हमारे लिए नई होंगी। यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण जरूर होगा, लेकिन हम इसके लिए अच्छी तैयारी करेंगे।'

रायगढ़ जिला सरपंच संघ के अध्यक्ष के ग्राम पंचायत एकताल में भ्रष्टाचार का बड़ा खुलासा

पूर्व सरपंच और सचिव पर ?16 लाख के गबन का आरोप

रायगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के जनपद पंचायत पुसौर के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत एकताल में भ्रष्टाचार का एक गंभीर मामला सामने आया है। पूर्व सरपंच और सचिव पर मिलीभगत कर सरकारी धन का दुरुपयोग करने और अपने परिजनों को अनुचित लाभ पहुँचाने के संगीन आरोप लगे हैं। इस संबंध में अनुविभागीय दंडाधिकारी (स्छरू) रायगढ़ को एक औपचारिक शिकायत सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

क्या है पूरा मामला?:-शिकायत के अनुसार, ग्राम पंचायत एकताल की पूर्व सरपंच श्रीमती बुद्धेश्वरी चौहान और तत्कालीन पंचायत सचिव ने अपने कार्यकाल (2020-2025) के दौरान शासकीय योजनाओं और पंचायत निधि में भारी अनियमितता बरती है। आरोप है कि सरपंच ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अपने पति हिमांशु चौहान को 'फर्जी वेंडर' के रूप में दर्शाया और पंचायत के विभिन्न विकास कार्यों के नाम पर लाखों रुपये का भुगतान उनके व्यक्तिगत खाते में करा दिया।

आंकड़ों में गबन की कहानी :- शिकायत पत्र में दिए गए विवरण के अनुसार, भ्रष्टाचार का यह खेल सुनियोजित तरीके से खेला गया:वेंडर का नामः- हिमांशु चौहान (सरपंच के पति)बिलों की संख्याः- लगभग 23 बिलकुल आहरित राशिः- लगभग ?16,23,900 (सोलह लाख तेईस हजार नौ सौ रुपये) आरोप है कि यह राशि नियम विरुद्ध तरीके से निकाली गई है, जो सीधे तौर पर पंचायती राज अधिनियम की गरिमा के खिलाफ है।

कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन :- शिकायतकर्ता ने स्पष्ट किया है कि सरपंच और सचिव का यह कृत्य निम्नलिखित धाराओं के तहत दंडनीय हैः

1. पंचायती राज अधिनियम 1993 की धारा 92 :- इसके तहत शासकीय राशि के दुरुपयोग पर वसूली की कार्रवाई का प्रावधान है।

2. भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 13 (1)(स्त्र) :- एक लोक सेवक द्वारा अपने पद का दुरुपयोग कर स्वयं या अपने रिश्तेदारों को आर्थिक लाभ पहुँचाना एक गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है।

जांच और कठोर कार्यवाही की मांग :- शिकायत में मांग की गई है कि वर्ष 2020 से 2025 तक के पूरे कार्यकाल के दौरान हुए सभी विकास कार्यों, भुगतान रिकॉर्ड, वेंडर सूची और बिल-वाउचरों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। ÷यह सार्वजनिक धन की खुली लूट है। सरपंच ने अपने पद की गरिमा को ताक पर रखकर अपने सगे-संबंधियों को लाभ पहुँचाया है। प्रशासन को चाहिए कि वह इस मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए राशि की वसूली करे और दोषियों को जेल भेजे।÷

आगे क्या?:-अब गेंद प्रशासन के पाले में है। ग्रामीणों और शिकायतकर्ता को उम्मीद है कि जिला प्रशासन इस मामले में त्वरित संज्ञान लेगा। यदि जांच सही दिशा में आगे बढ़ती है, तो पुसौर जनपद के अन्य पंचायतों में भी इस तरह के 'वेंडर घोटाले' की परतें खुल सकती हैं। बाकी खबरे अगले अंक मे...

पेलमा जनसुनवाई पर रोक की मांग: कोल परियोजना से प्रभावित गांवों में मुआवजा व पुनर्वास को लेकर बढ़ा असंतोष

रायगढ़/मूक पत्रिका

पेलमा कोल माइंस परियोजना को लेकर प्रभावित गांवों में असंतोष अब खुलकर सामने आने लगा है। ग्राम जरीडीह सहित पेलमा, उरबा, हिझर, लालपुर मडवाडूमर, सक्ता और मिलुपारा के ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के समक्ष ज्ञापन प्रस्तुत कर 19 मई 2026 को प्रस्तावित जनसुनवाई को स्थगित करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक मुआवजा, पुनर्वास नीति और रोजगार से जुड़ी उनकी प्रमुख मांगों पर स्पष्ट निर्णय नहीं होता, तब तक जनसुनवाई आयोजित करना न्यायसंगत नहीं होगा। ग्रामीणों के अनुसार, एक ही परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण किए जाने के बावजूद अलग-अलग गांवों में सर्किल रेट में भारी अंतर है, जिससे प्रभावित परिवारों के बीच असमानता की स्थिति बन रही है। उनका तर्क है कि जब परियोजना एक है, तो मुआवजा भी समान दर पर दिया जाना चाहिए। विशेषकर दो फसली और उपजाऊ भूमि के लिए अलग-अलग दरों को लेकर नाराजगी स्पष्ट दिखाई दे रही है।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि अधिकांश ग्रामीणों की आजीविका खेती पर निर्भर है। ऐसे में केवल नकद मुआवजा पर्याप्त नहीं है। ग्रामीणों ने मांग रखी है कि भूमि के बदले वैकल्पिक भूमि उपलब्ध कराई जाए, ताकि उनका जीवनयापन प्रभावित न हो। साथ ही, प्रत्येक प्रभावित परिवार से कम से कम एक सदस्य को रोजगार देने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि इस संबंध में पूर्व में कई बार लिखित रूप से प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे उनमें असंतोष और अविश्वास की स्थिति गहराती जा रही है।ज्ञापन में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि मांगों पर विचार नहीं किया गया और जनसुनवाई को स्थगित नहीं किया गया, तो ग्रामीण एकजुट होकर आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली किसी भी परिस्थिति की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।फिलहाल प्रशासन की ओर से इस ज्ञापन पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे में आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जिला प्रशासन इस बढ़ते असंतोष को किस तरह संभालता है और क्या ग्रामीणों की मांगों पर कोई ठोस पहल होती है।

राज्यपाल ने टीबी मरीजों को फूड बास्केट वितरित किए, टीबी मुक्त होने पर तीन ग्राम पंचायतों को मिला प्रमाण पत्र

कोंडागांव/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने मंगलवार को जिला कार्यालय कोंडागांव में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 5 मरीजों को फूड बास्केट वितरित किए। इस दौरान ग्राम पंचायत चिखलपुट्टी, किवईबालेंगा और मालाकोट को टीबी मुक्त घोषित किए जाने पर संबंधित ग्राम सरपंचों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 5 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, रेडक्रॉस सोसायटी के 4 नये सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र तथा राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत 5 लोगों को चश्मे भी वितरित किए गए।

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, सीएमएचओ डॉ. आर. के. चतुर्वेदी सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिक्षा जागरूकता हेतु दिव्यांगों का जत्था काँकेर से गुज़रा, जन सहयोग संस्था ने स्वागत किया

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर :-काँकेर छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव का विषय है कि लोगों में शिक्षा के महत्व तथा जागरूकता हेतु प्रदेश के दिव्यांगों का जत्था बाइक रैली के रूप में घड़ी चौक रायपुर से बस्तर दंतेश्वरी माई मंदिर तक के लिए चल पड़ा है। भीषण गर्मी में लगभग 616 किलोमीटर की यात्रा करने वाले इन दिव्यांगों का साहस प्रशंसनीय है। दिव्यांगों के लिए कड़ी धूप में बाइक चलाना कितना मुश्किल काम होता होगा, यह सोच कर ही इन लोगों के प्रति श्रद्धा उमड़ पड़ती है। उनकी संस्था का नाम ÷ईगल स्पेशली एबिल्ड राइडर्स ÷ है, जिसके कोऑर्डिनेटर जी, संदीप कुमार हैं। जत्थे में इनके सहित कुल 32 दिव्यांग हैं, संदीप कुमार का पत्र ÷जन सहयोग संस्था÷ के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी को कल प्राप्त हुआ था और रात्रि में दिव्यांगों की बाइक रैली पहुंच गई। काँकेर पहुंचने पर उनका स्वागत, सत्कार ÷जन सहयोग÷ के सदस्यों तथा भूतपूर्व सैनिक द्वारा किया गया। उनके रहने की व्यवस्था गुजराती सामुदायिक भवन में की गई। रात्रि में भोजन आदि का प्रबंध भी ÷जन-- सहयोग÷ द्वारा वहीं किया गया और सवेरे 7:00 बजे दिव्यांगों की इस बाइक रैली को चाय नाश्ता आदि देकर शहर की सीमा, कृषि विभाग परिसर तक भारत माता की जय के नारे लगाते हुए विदा किया गया। इस कार्यक्रम मैं पुलिस विभागवालों ने भी सहयोग दिया, जिनके नाम इस प्रकार हैं, सुरेंद्र मानिकपुरी इंस्पेक्टर, शिवकुमार बेसरे, प्रधान आरक्षक तथा संतोष मरकाम आरक्षक, जन सहयोग के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के अलावा भूतपूर्व सैनिक टी के जैन, वरिष्ठ समाजसेवी प्रवीण कुमार गुप्ता, मनोज कुमार दुबे, राजेश कुमार चौहान इत्यादि ने स्वागत, सत्कार तथा अन्य प्रबंधों में अत्यंत परिश्रम पूर्वक उल्लेखनीय सेवा प्रदान की, जिसकी सर्वत्र प्रशंसा की जा रही है। दिव्यांगों के कोऑर्डिनेटर जीसंदीप कुमार ने बताया कि यात्रा 3 मई से प्रारंभहोकर 5 मई को समाप्त होगी और उस दिन काँकेर से पुनः वापसी यात्रा में माई जी का प्रसाद ÷जन सहयोग÷ अध्यक्ष को देते हुए जाएंगे।

तारापुर में विहिप-बजरंग दल की प्रखंड बैठक संपन्न, धर्मांतरण व गौ तस्करी रोकने पर जोर

जगदलपुर/मूक पत्रिका

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की प्रखंड स्तरीय बैठक सोमवार शाम को ग्राम पंचायत तारापुर में प्रांत सह मंत्री रवि ब्रह्मचारी जी के मुख्य आतिथ्य एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष शंकर लाल गुप्ता ने की। इस दौरान संगठन की मजबूती और वर्तमान सामाजिक चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला कोषाध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी, बजरंग दल के जिला संयोजक विष्णु ठाकुर, जगदलपुर नगर सह संयोजक अजय प्रताप सिंह तथा सूरज पटनायक विशेष रूप से उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने संगठन के आगामी कार्यक्रमों और अभियानों को लेकर अपने सुझाव भी रखे। बैठक में धर्मांतरण का मुद्दा सबसे गंभीर विषय के रूप में सामने आया। कार्यकर्ता फाल्गुनी पटेल ने अपनी बात रखते हुए कहा कि उड़ीसा और केरल से आए कुछ पादरियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवेश कर भोले-भाले लोगों को आर्थिक लालच व अन्य प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह सिलसिला आज भी जारी है जो अत्यंत चिंताजनक है। इसी मुद्दे पर विहिप के वरिष्ठ पदाधिकारी भुवनेश्वर जी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों पर हाल ही में बने नए कानून के तहत कठोर व त्वरित कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि इस तरह की गतिविधियों पर पूर्ण विराम लग सके। गौ हत्या और गौ तस्करी का विषय भी बैठक के केंद्र में रहा। कार्यकर्ताओं ने अवगत कराया कि पशु बाजारों से मवेशियों की खरीद-बिक्री के दौरान ग्राम पंचायत की फर्जी रसीदें प्रस्तुत की जाती हैं। इसी अवैध कारोबार के कारण आए दिन गौ तस्करों और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के बीच टकराव की स्थिति उत्पन्न होती रहती है। बैठक में सर्वसम्मति से शासन और प्रशासन से मांग की गई कि गौ तस्करों के विरुद्ध अभियान चलाकर कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कार्यकर्ताओं ने यह भी कहा कि यदि प्रशासन द्वारा प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो बजरंग दल गौ रक्षा के लिए अपने स्तर पर कदम उठाने को बाध्य होगा। इस अवसर पर लक्ष्मण पटेल, मिथुरेश पटेल, महेश भारती, मुनीशम भारती, रामप्रकाश यादव, बृजेंद्र पटेल, रितेश पटेल, डब्बू कश्यप, घनश्याम पटेल, दुर्गेश पटेल, तुलसी पटेल, वसंतराम पटेल, नर्मदेश पटेल, ओमेश पटेल, चेतराम नाग, लायमन भारती, मुनीश भारती, शैलेन्द्र कश्यप, धनुज कश्यप, सुखधर कश्यप, भुवनसिंह काशी, भुवनेश्वर सिन्हा, हिमलाल यादव, हिंगाधर मरावी, मिथ्यासागर कश्यप, कली भारती, ललितराम कश्यप, दर्शन भारती, उमेश कश्यप, गंगू पटेल, मोहन लाल पटेल, गोविन्दनाथ कश्यप, सेनापति सिन्हा, कुनवर कश्यप, चौखी कश्यपी, हाड़ी राम पटेल, पप्पू ध्रुव, ईश्वर बघेल, प्रशांत मरावी, टिकेंद्र पटेल, नौखा पटेल, देवदास फेल, हेमकुमार पटेल, चुमन पटेल तथा लुभराम पटेल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक का समापन सामूहिक रूप से जय जय श्री राम के उद्घोष के साथ हुआ। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने सामाजिक समरसता बनाए रखने और संगठन को ग्राम स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया।

बरपाली में चौहान समाज ने टी एस सिंह देव का किया भव्य स्वागत

सारंगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंह देव् सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के दो दिवसीय प्रवास पर रहे, इस दौरान उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर लोगों से भेंट-मुलाकात की।

इसी क्रम में ग्राम बरपाली में चौहान समाज द्वारा उनका जोरदार एवं भव्य स्वागत किया गया। उनके आगमन पर समाज के लोगों ने फूल-मालाओं से स्वागत करते हुए पारंपरिक तरीके से अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। इस दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं के साथ-साथ समाज के लोगों को सत्ता व संगठन में महत्वपूर्ण स्थान देने की मांग उनके समक्ष रखी।

इस अवसर पर टी. एस. सिंह देव ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाज के साथ निरंतर जुड़े रहेंगे और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। साथ ही उन्होंने चौहान समाज को जनसंख्या के अनुसार सत्ता एवं कांग्रेस संगठन में उचित प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए प्रयास करने की बात कही।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में युवा नेता बेद प्रकाश चौहान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।इस भव्य स्वागत कार्यक्रम में सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के चौहान (गांडा) समाज के कार्य जिला अध्यक्ष गोपाल बाघे, बरमकेला ब्लॉक अध्यक्ष विषिकेशन, शंकरलाल चौहान, राजीव चौहान, संतोष चौहान, अनादि चौहान, गुणमणि चौहान, हृषिकेश चौहान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रामीणों में बढ़ रही नाराजगी, 7 दिन में काम शुरू नहीं हुआ तो आंदोलन की चेतावनी

पंचायतों में काम नही, सरपंच संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिले की पंचायतों में विकास कार्य नहीं मिलने से सरपंचों और ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इसी को लेकर सोमवार को जिला सरपंच संघ ने कलेक्टर संबित मिश्रा को ज्ञापन सौंपकर जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की। ज्ञापन में सरपंचों ने बताया कि चुनाव के एक वर्ष बाद भी पंचायतों में मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्य शुरू नहीं हो पाए हैं। पुल-पुलिया, सीसी सड़क, स्कूल भवन, आंगनबाड़ी भवन और मिट्टी-मुरम जैसे जरूरी कार्य लंबित हैं। इससे गांवों में विकास रुक गया है और ग्रामीणों को रोजगार भी नहीं मिल पा रहा है।सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष संदीप तेलम ने कहा कि काम नहीं मिलने के कारण सरपंचों को ग्रामीणों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि ग्राम सभाओं में प्रस्तावित कार्यों को बारिश से पहले प्रशासनिक स्वीकृति दी जाए, ताकि समय पर काम शुरू हो सके। गंगालूर की सरपंच पायल हेमला ने बताया कि कलेक्टर से मिलकर आवेदन दिया गया है। यदि एक सप्ताह के भीतर काम शुरू नहीं हुआ तो सरपंच संघ आंदोलन करेगा।

प्रशासन ने दिया आश्वासन- कलेक्टर संबित मिश्रा ने सरपंचों को आश्वस्त किया कि शासन की योजना के तहत प्रत्येक पंचायत में तीन विशेष कार्य स्वीकृत किए जाएंगे। प्रस्ताव मिलने के बाद राशि स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।